



Nikki Tamboli Drops Emotional Post...

सलाखों के पीछे से चल रहा सोशल नेटवर्क, रंगदारी वसूली का खेल

SUHAIB ANSARI @ RANCHI :

झारखंड के बड़े अपराधिक गिरोह राज्य में डर का माहौल बनाने के लिए खुलेआम सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं। दरअसल एक-दूसरे को धमकी देने से लेकर घटना की जिम्मेदारी लेने तक का पूरा काम सोशल नेटवर्क के जरिए हो रहा है। राज्य के कोयलांचल क्षेत्र में अपनी बादशाहत कायम करने के लिए गैंगस्टर अलग-अलग घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

रंगदारी वसूली का पूरा सिस्टम भी सोशल मीडिया नेटवर्क से ही चल रहा है। सूत्रों का दावा है कि जेल में बंद गैंगस्टर अंदर बैठकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऑपरेट कर रहे हैं। रंगदारी वसूली के लिए वह मौजूदा समय का सबसे कारगर हथियार साबित हो रहा है। फेसबुक पर अलग-अलग गैंग के नाम से तरह-तरह के दावे और धमकियां दी जा रही हैं। इन दिनों वर्चस्व की लड़ाई में दो गुट आमने-सामने हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर कोयलांचल शांति सेना (केएसएस) और राहुल दुबे के नाम से बने अकाउंट के बीच लगातार तनातनी देखने को मिल रही है। दावा किया जा रहा है कि केएसएस नामक कथित अकाउंट गैंगस्टर सुजीत सिन्हा गिरोह के लोग ऑपरेट कर रहे हैं। वह गैंग दूसरे अपराधिक गिरोहों से संरक्षण के नाम पर कंपनियों से चंदा वसूली कर रहा है।

सुजीत सिन्हा और राहुल दुबे का गिरोह आमने-सामने, बदल गया है पूरा धनउगाही का सिस्टम सूत्रों का दावा, जेल से ऑपरेट किया जा रहा है अपराध का नेटवर्क, पुलिस के सामने बड़ी चुनौती

कोल कंपनियों को संरक्षण देने की बात कह सुजीत सिन्हा गिरोह के नाम से की जा रही वसूली

अमन साहू के एनकाउंटर के बाद राहुल दुबे और आकाश उर्फ मोनु गिरोह कोयलांचल में सक्रिय

केएसएस के फेसबुक पोस्ट में कुबेर के नाम से दी जाती है धमकी, सुजीत सिन्हा पर आरोप

राहुल दुबे गैंग की ओर से पोस्ट में लिया जाता है वारदात का जिम्मा, दी जाती है चेतावनी



सुजीत सिन्हा का पोस्ट राहुल दुबे का पोस्ट केएसएस का पोस्ट

गैंगवार में पिस सकते हैं परिवार

रांची के डोरंडा इलाके में मोनु के घर के बाहर गोलीबारी से माहौल गर्म हो गया है। सोशल मीडिया में पोस्ट कर हमले की चेतावनी दी जा रही है। ऐसे में अगर इन गिरोहों के बीच गैंगवार शुरू होती है तो इसमें इनके परिवार के लोगों की जान पर खतरा पैदा हो सकता है।

6 सोशल मीडिया में गैंगस्टर एक्टिव हैं, इसकी सूचना मिली है। मामले की जांच की जा रही है। कानूनी तरीके से जो कार्रवाई होनी चाहिए वो की जाएगी।

माइकल राज, आईजी, अमियान।

रंगदारी को चंदा बताकर वसूली कर रहा केएसएस

दावा किया जा रहा है कि नई परिस्थिति में सुजीत सिन्हा ने कोयलांचल शांति सेना और राहुल दुबे ने अपना अलग गैंग बनाया है। अब रंगदारी वसूली को लेकर सभी आपस में भिड़ रहे हैं। कहा जा रहा है कि केएसएस संगठन के लीडर कुबेर ने रंगदारी के सिस्टम को ही बदल दिया है। वह गैंग रंगदारी को चंदा बताकर वसूल रहा है। केएसएस का दावा है कि उसके रहते कोल कंपनियों को डरने की जरूरत नहीं है। कोल कारोबारियों को संरक्षण देने के बदले केएसएस सह वसूली कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, अमन साहू, सुजीत सिन्हा, राहुल दुबे और आकाश उर्फ मोनु पहले एक ही गैंग के थे। अमन के मारे जाने के बाद रंगदारी वसूली को लेकर आपस में फूट हो गई है।

पेज 03 नीं पढ़ें।

Table with market data: SHARE, SENSEX (81,790.12), NIFTY (25,077.65), SARAFI, SONA (11,205), CHANDI (166.00)

BRIEF NEWS

17 जिलों में आज ठनका गिरने की आशंका

RANCHI : झारखंड के 17 जिलों में मंगलवार को गर्जन के साथ तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। इस दौरान कहीं कहीं पर हल्की बारिश भी हो सकती है। यह जानकारी मौसम विभाग ने सोमवार को दी। विभाग के अनुसार जिन जिलों में गर्जन के साथ तेज हवा चलने की आशंका है उनमें झारखंड के उतर पूर्वी जिलों (देवघर, दुमका, जामताड़ा, सिमडेगा, पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा) को छोड़कर शेष सभी जिले शामिल हैं। इसे लेकर विभाग ने ये लो अलर्ट जारी किया है। वहीं सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और मुनगुनी घुब खिली रही। ऐसे में लोगों को लगातार हो रही बारिश से राहत मिली और लोगों ने अपना दिनचर्या पूरी किया।

कटक में हुए पथराव में अब तक आठ अरेस्ट

BHUBANESWAR : ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा विसर्जन शोभायात्रा के दौरान पथराव, हिंसा, तोड़फोड़ और सुरक्षा बलों पर हमले की घटनाओं में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर एस. देवदत्त सिंह ने सोमवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों से आरोपियों की पहचान की गई। वे फिलहाल पूछताछ के लिए हिरासत में हैं। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि एक रेली के दौरान पुलिस पर पथराव के बाद शहर में 36 घंटे का कर्फ्यू लगाया गया था। स्थिति अब सामान्य है और कोई नई घटना की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि उपद्रवियों की पहचान कर ली गई है और गिरफ्तारी की प्रक्रिया जारी है। अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, वहीं कुछ लोग एफआईआर दर्ज कराने भी आगे आए हैं। वर्तमान में कटक के 13 थानों के अंतर्गत कर्फ्यू लागू है।

बजा चुनावी बिगुल : इलेक्शन की घोषणा से लेकर काउंटिंग तक की प्रक्रिया 40 दिनों में होगी पूरी बिहार में दो चरणों में पूरा होगा चुनाव

AGENCY PATNA :

सोमवार को भारत निर्वाचन आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह घोषणा की कि बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 2 फेज में वोटिंग होगी। मतदान 6 और 11 नवंबर को और नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। चुनाव के ऐलान से काउंटिंग तक की प्रक्रिया 40 दिन चलेगी। पहले फेज की वोटिंग छठ के 8 दिन बाद होगी। पहले फेज में 121 व दूसरे में 122 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। गौरतलब है कि सभी राजनीतिक दलों ने वोटिंग की तारीखें दीपावली और छठ के बाद रखने की अपील की थी। 2010 में इलेक्शन प्रोसेस 61 दिन, 2015 में 60 दिन और 2020 में 47 दिन चली थी। इस तरह पिछले 15 साल में इस बार चुनाव सबसे कम अवधि में पूरे कराए जाएंगे।

भाजपा और राजद ने की थी दो चरणों में मतदान की मांग : उल्लेखनीय है कि बिहार में 40 साल बाद दो फेज में चुनाव होने जा रहे हैं। इससे पहले 1985 में

छठ के आठ दिन बाद 243 विधानसभा सीटों पर 6 और 11 नवंबर को होगी वोटिंग, 14 को आएंगे नतीजे

- 40 साल बाद दो फेज में होने जा रहे चुनाव
2010 में 61, 2015 में 60 और
2020 में 47 दिनों में पूरी हुई थी चुनाव प्रक्रिया
साल 1985 के बाद पहली बार दो चरणों में होगा चुनाव
पिछले 15 सालों में इस बार सबसे कम अवधि में पूरे कराए जाएंगे चुनाव



पहली बार 14 लाख वोट करेंगे मतदान

चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, करीब 7.42 करोड़ वोट हैं। इनमें 100 साल ऊपर के 14 हजार वोट शामिल हैं। पोलिंग बूथ जाने में असमर्थ लोग फॉर्म 12डी भरकर घर से वोट डाल सकेंगे। राज्य में 14 लाख लोग पहली बार वोट डालेंगे। इस बार वोट बूथ तक मोबाइल ले जा सकेंगे। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार बिहार में कुल 90,71,27 मतदान केंद्र बनाए गए हैं,

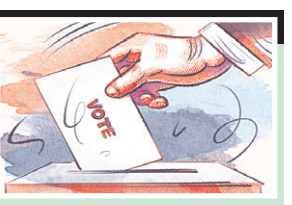
जहां औसतन प्रति केंद्र 818 मतदाता रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 76,801 मतदान केंद्र ग्रामीण इलाकों में हैं, जबकि 13,911 शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था (100 प्रतिशत) की गई है। साथ ही, 1350 मॉडल मतदान केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, ताकि मतदाताओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। मुख्य चुनाव आयुक्त ने ज्ञानेश कुमार ने कहा, जो सारी बातें समझानी में आईं।

सात राज्यों में उप-चुनाव का भी किया गया ऐलान

चुनाव आयोग ने 7 राज्यों में विधानसभा सीटों पर उप चुनाव का ऐलान भी किया। जम्मू-कश्मीर में बडगाम और नागरोटा, राजस्थान में अंता, झारखंड में घाटशिला, तेलंगाना की जुबुली हिल्स, पंजाब की तरनतारन, मिजोरम की उंचा और ओडिशा की नुआपाडा विधानसभा सीट शामिल हैं। यहां 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। 14 नवंबर को नतीजे आने लगे।

घाटशिला उप-चुनाव के लिए 11 नवंबर को डाले जाएंगे वोट

रांची : निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के साथ झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर उप-चुनाव की भी घोषणा कर दी है। घाटशिला में 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी। गौरतलब है कि रामदास सोरेन के निधन के बाद घाटशिला सीट खाली हुई थी, इसलिए यहां उप-चुनाव हो रहा है। चुनाव आयोग के अनुसार, उपचुनाव की अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 20 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल कर सकते हैं। नामांकन पत्रों का जांच 22 अक्टूबर तक होगी। उम्मीदवार 24 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में 2,55,820 वोट हैं।



- 13 अक्टूबर को चुनाव आयोग की ओर से जारी की जाएगी अधिसूचना
2,55,820 मतदाता करेंगे अपनो वोट का इस्तेमाल
पुरुष मतदाता- एक लाख 24 हजार 899, महिलाओं की संख्या 1 लाख 30 हजार 921

इससे पहले 2015 में 5 फेज में 12 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच वोटिंग और 8 नवंबर को नतीजे आए थे।

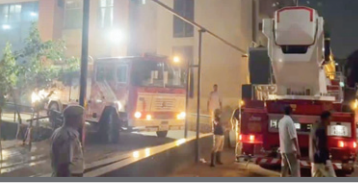
ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर रूम में लगी आग, फिर पूरे वार्ड में फैली जयपुर के अस्पताल में लगी आग, आठ की मौत

AGENCY JAIPUR :

राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात लगी आग से आठ मरीजों की जान चली गई। मृतकों में तीन महिलाएं भी हैं। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और सबूत एकत्रित किए। अग्निकांड की जांच के लिए शासन स्तर पर छह सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। अधिकारियों के

मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल, प्रारंभिक जांच में घटना का कारण शॉर्ट सर्किट

- फायर ब्रिगेड की टीम ने बिल्डिंग की दूसरी ओर से खिड़कियों के शीशे तोड़कर की पानी की बौछार
डेड घंटे की मशक्कत के बाद झुड़ी आग, सभी मरीजों को बेड सहित सड़क पर किया गया शिफ्ट
घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल की टीम, जांच के लिए सरकार ने गठित की छह सदस्यीय कमेटी



स्थिति पर लगातार रखी जा रही नजर : सीएम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकों एवं अधिकारियों से जानकारी ली और त्वरित राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मरीजों की सुरक्षा और प्रभावित लोगों की देखभाल के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मुताबिक, रात लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर रूम में आग लगी। स्टोर में पेपर, मेडिकल उपकरण और ब्लड सैप्लर ट्यूब रखे हुए थे। देखते ही देखते आग ने आईसीयू को अपनी चपेट में ले लिया और पूरे वार्ड में धुआं फैल गया।

आरोपी ने लगाया नारा- सनातन का अपमान, नहीं सहेंगे हिंदुस्तान सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक वकील ने सीजेआई पर फेंका जूता

AGENCY NEW DELHI :

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना उस समय हुई, जब सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों के हवाले से बताया कि वकील ने सीजेआई की तरफ जूता फेंका। हालांकि, जूता उनकी बेंच तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षाकर्मियों ने फौरन उसे पकड़ लिया। बाहर जाते वक्त वकील ने नारा लगाया- सनातन का अपमान नहीं सहेंगे हिंदुस्तान। घटना के बाद सीजेआई ने अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा। कहा कि इस सबसे परेशान न हों। मैं भी परेशान नहीं हूँ, इन चीजों से मुझे फर्क नहीं पड़ता। आरोपी वकील का नाम राकेश

सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी को पकड़ा, हिरासत में



सीजेआई गवई की टिप्पणियों से था नाराज

माना जा रहा है कि वकील सीजेआई गवई की मध्य प्रदेश के खजुराहो में भगवान विष्णु की 7 फुट ऊंची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना पर की गई टिप्पणियों से नाराज था। सीजेआई ने 16 सितंबर को खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए कहा था- जाओ और भगवान से खुद करने को कहो।

पूरे घटनाक्रम के दौरान शांत बने रहे चीफ जस्टिस बीआर गवई कहा- इन चीजों से मुझे नहीं पड़ता फर्क

किशोर है और उसकी उम्र 71 साल है। वह चीफ जस्टिस गवई के उस बयान से आहत था, जिसमें उन्होंने

तुम कहते हो भगवान विष्णु के कदम भक्त हो, जाओ उनसे प्रार्थना करो। 16 सितंबर को मध्य प्रदेश के खजुराहो के जवारी (घामन) मंदिर में भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की थी। याचिकाकर्ता ने इस फैसले पर नाराजगी जताई थी।

भीड़ का पथराव बढ़ पीड़ितों को बांटने गए थे राहत सामग्री, नारे लगाए- वापस जाओ

जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद पर हमला, फूटा सिर

AGENCY KOLKATA :

सोमवार को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में सोमवार को भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर सड़कियों में भीड़ ने हमला कर दिया। लोगों ने सांसद पर पथरावबाजी की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका सिर फूट गया। खगेन, मालदा से सांसद हैं। मामला जलपाईगुड़ी जिले के दुआर्स क्षेत्र के नागरकाटा का है। भीड़ ने सांसद के साथ गए भाजपा विधायक शंकर घोष और अन्य नेताओं पर भी हमला किया। सभी बाढ़ प्रभावित इलाके में लोगों को राहत सामग्री बांटने गए थे। हमले से पहले 500 से ज्यादा लोगों ने वापस जाओ के नारे लगाए और सड़कें जाम कर दीं। हमले के बाद सामने आई तस्वीरों में भाजपा सांसद खून से लथपथ एक गाड़ी में बैठे हुए दिखाई दिए। उनके चेहरे से लगातार खून बहता हुआ दिखा। उनका सफेद कुर्ता और गमछ भी खून से लाल हो गया।

लोगों ने भाजपा विधायक शंकर घोष और अन्य नेताओं पर भी किया अटैक तस्वीरों में भाजपा सांसद खून से लथपथ एक गाड़ी में बैठे हुए दिखाई दिए

- जिले के दुआर्स क्षेत्र के नागरकाटा का है मामला
हमले से पहले 500 से ज्यादा लोगों ने सड़कें कर दी जाम
सांसद का सफेद कुर्ता और गमछ भी खून से हो गया लाल
रूमाल से धार-धार अपने चेहरे को पोछते हुए दिखाई दिए खगेन मुर्मू

बीजेपी ने कहा- टीएमसी के गुंडों ने किया अटैक

हमले की तस्वीरें सामने आने के कुछ मिनट बाद ही भाजपा ने सोशल मीडिया पर टीएमसी पर पलटवार किया। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा- टीएमसी का जंगलराज बंगाल में लौट आया है। एक सम्मानित आदिवासी नेता और दो बार के सांसद पर टीएमसी के गुंडों ने हमला किया। मालवीय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा- जब बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में सरकार की जरूरत थी, तब ममता बनर्जी अपने कोलकाता कार्यालय में नाच रही हैं। टीएमसी और राज्य प्रशासन गायब हैं। जो लोग वास्तव में लोगों की मदद कर रहे हैं, उन पर हमले हो रहे हैं।

Advertisement for CHARITABLE CHARMS Fashion for a Cause. A Fund Raiser for Underprivileged Children and for the Underprivileged Women. Includes logos for various brands like Agni, GEETANJALI SALON, LOOKS SALON, PANCHRATNA, Big SHOP, SURUCHI, KANHA'S RANCHI, Firayal, and Shoe Bazar.

भतीजे ने टांगी से काटकर की चाचा की हत्या, आरोपी फरार

अड़की थाना क्षेत्र के कोरवा गांव में देर रात हुई घटना, कारण स्पष्ट नहीं

AGENCY KHUNTI :

अड़की थाना क्षेत्र के कोरवा गांव स्थित घटवाड़ा टोले में रविवार की देर रात सुगना लोहरा ने अपने चाचा (बड़े पिताजी) गनसा लोहरा (50) को टांगी से काटकर हत्या कर दी। हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही अड़की थाना प्रभारी प्रवीण तिवारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूटी भेज दिया।

पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त खून लगी टांगी चोपा लोहरा के घर से बरामद की है। बताया गया कि आरोपी सुगना लोहरा ने टांगी को लकड़ियों के बीच छिपा दिया



घटनास्थल पर लगी मौजूद व पुलिस के जवाब

था। घटना को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गया है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। घटना के संबंध में परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक गनसा लोहरा का एक छोटा

सुगना लोहरा भी गांव में ही रहते हैं। (यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि मृतक गनसा लोहरा और उनके छोटे भाई चोपा लोहरा दोनों के छोटे बेटे का नाम सुगना लोहरा ही है।) मृतक के छोटे बेटे सुगना लोहरा ने बताया कि रात लगभग दो से ढाई बजे के बीच कुछ आवाज सुनाई दी। डर के कारण वह कमरे से बाहर नहीं निकला, लेकिन जब आवाज बंद हो गई, तो वह अपने पिता के कमरे में गया। वहां उसने देखा कि उसके पिता के माथे से काफी खून बह रहा है और उनकी सांस रुक चुकी थी।

यह देखकर वह समझ गया कि उनके पिता की हत्या कर दी गई है। इसके बाद उसने अपने चाचा

चोपा लोहरा को बुलाया और भाई को फोन किया। सुबह लगभग साढ़े चार बजे तक गांव के लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद ग्रामीणों ने बाजारटांड में बैठक कर पुलिस को घटना की सूचना दी। मृतक के भाई चोपा लोहरा और बेटों ने बताया कि हत्या चोपा लोहरा के बेटे सुगना लोहरा ने ही की है। हालांकि हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

एसपी मनीष टोप्यो ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि हत्या चोपा लोहरा के पुत्र सुगना लोहरा ने की है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।



पत्रकारों को मानले की जानकारी देती पुलिस निरीक्षक प्लान टोप्यो

फोटोन न्यूज

युवक की हत्या के आरोप में पिता गिरफ्तार

● आरोपी की एक वर्ष से पत्नी से नहीं हो रही थी बातचीत, मना करने पर भी बेटा करता था बातचीत

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के पंकी थाना क्षेत्र अंतर्गत रतनपुर गांव में पांच अक्टूबर को सुबह लगभग 9 बजे सूरज कुमार (18) नामक युवक की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सोमवार को मृतक के दादा, सुदर्शन ठाकुर के औपचारिक बयान के आधार पर हत्या की प्रारंभिकी दर्ज कर ली गई और इसके साथ ही आरोपी पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान अभियुक्त अमित कुमार ठाकुर ने अपराध की स्वीकारोक्ति देते हुए बताया कि उसकी अपनी पत्नी से लगभग एक वर्ष से अनबन चल रही थी और बातचीत बंद थी। उसका बेटा

कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था। इसमें पुलिस निरीक्षक प्लान टोप्यो सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा सशस्त्र बल शामिल थे। दल के ग्राम रतनपुर पहुंचने पर हैरतअंगेज तथ्य सामने आया कि मृतक के पिता, अमित कुमार ठाकुर पर ही अपने ही पुत्र की हत्या का संदेह था और वह घटना के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने मृतक के शव को अंत्यपरीक्षण के लिए एमएमसीएच भेज दिया गया। वहीं, अभियुक्त अमित कुमार ठाकुर को ग्राम रतनपुर के टोला ऐनवा-मैनवा स्थित करमाई घाटी के जंगल से गिरफ्तार कर लिया गया।

BRIEF NEWS

रांची जा रही बस पलटी, 11 यात्री घायल



KODERMA : जिले के सतगावां थाना अंतर्गत अंगार मोड़ के समीप सोमवार सुबह एक बस पलट गई, जिससे उसपर सवार 11 लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सतगावां से रांची जाने वाली सागर नामक बस प्रतिदिन सतगावां से रांची जाती है। सोमवार की सुबह करीब 4:30 बजे जैसे ही सतगावां थाना क्षेत्र के अंगार मोड़ के समीप पहुंची तो अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे सवार 11 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सतगावां पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। घायल इन 11 लोगों में 3 की स्थिति नाजुक बनी हुई है। स्थानीय लोगों की मानें तो यह बस काफी गति में चलती है और यही वजह रही कि अंगार मोड़ के समीप तीखे घुमाव के कारण बस चालक का बस पर संतुलन नहीं रहा और बस अनियंत्रित होकर पलट गई। जानकारी के अनुसार उक्त बस में अधिकांश छात्र, जो हजारीबाग, रांची जैसे शहरों में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते हैं, यात्रा कर रहे थे। घायलों में सचिन कुमार (18, पिता अनिल यादव, ग्राम मोहनपुर), रानी देवी (41, पति राजेश सिंह, पंचौरी), ब्रह्मदेव यादव (62, पिता मंगल महतो ग्राम नंदुडीह), अंकित कुमार (20, पिता उदय सिंह, पंचौरी), रामस्वरूप यादव (55, पिता प्रयाग यादव, बदाल), काजल कुमारी (18, पिता अनिल यादव, पंचौरी), रिया कुमारी (17, पिता अनिल यादव, पंचौरी), दीपक कुमार (19, पिता महेंद्र दास, पंचौरी), राहुल प्रियदर्शी (25, पिता विजय कुमार, हलकुसा), राजेश कुमार (24, पिता सुखदेव चौधरी, मोदीडीह), ललिता कुमारी (29, पति संतोष कुमार, नान्दुरी) शामिल हैं। सतगावां थाना में कार्पेट एसआई अरविंद सिंह जो कोडरमा ट्रेनिंग के लिए उक्त बस से ही जा रहे थे, वे भी घायल हो गए हैं। इधर सभी घायल यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा रेफर कर दिया गया है।

अर्धनिर्मित मकान से शव बरामद

HAZARIBAG : हजारीबाग पुलिस ने ओकनी देवी मंडप के पास अर्धनिर्मित मकान से सोमवार को एक शव बरामद किया है। शव की पहचान रोहित कुमार के रूप में की गई है। वह ओकनी निवासी बताया गया है। वह दुर्गा पूजा से लापता था। इसके बारे में बताया गया कि वह अंटो चालक था। और मानसिक रूप से परेशान भी था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने हत्या कर शव छुपाने का जिक्र पुलिस के सामने किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की गहन जांच पड़ताल कर रही है। आरपार के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

दो बच्चों की मां ने फांसी लगाकर दी जान

PALAMU : रेहला थाना क्षेत्र के राकसाहा गांव में रविवार की रात पुष्पा देवी (28) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के पति का नाम अवधेश चौधरी बताया गया है। पुष्पा देवी दो बच्चों की मां थी। आत्महत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। घटना की जानकारी मिलने पर सोमवार की सुबह रेहला थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कालेज अस्पताल, मेदिनीनगर भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

घायल अवस्था में मिला था व्यक्ति, इलाज के दौरान हो गई मौत, किया सड़क जाम

रविवार की सुबह से था लापता, सोमवार को तड़के पानी टंकी के पास मिला था जख्मी

AGENCY KODERMA :

जिले के नवलशाही थाना अंतर्गत पूर्णाडीह स्थित निर्माणधीन पानी टंकी के समीप से सोमवार को घायल अवस्था में एक व्यक्ति बरामद किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। उसकी पहचान पूर्णाडीह निवासी 45 वर्षीय अशोक राणा उर्फ कारू राणा (पिता बन्दी राणा) के रूप में की गई। घायल अशोक राणा को स्थानीय लोगों के सहयोग से सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के भतीजे पवन राणा ने बताया कि उनके चाचा अशोक राणा रविवार सुबह 10 बजे से ही घर से निकले हुए थे। इसके बाद



घटनास्थल पर लगी महिलाएं

शाम होने तक जब वे घर नहीं लौटे तो उनलोगों ने उनकी तलाश शुरू की। देर रात तक जब उनका कुछ पता नहीं चल पाया तो उनलोगों की ओर से सुबह होने के बाद पुलिस को इसकी सूचना देने की सोची और अपने घर चले गए। वहीं सोमवार की सुबह जब अशोक के भाई संतोष राणा सहित अन्य लोग

कोडरमा पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इधर घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कोडरमा जमूआ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। मृतक के भतीजे पवन राणा ने बताया कि मृतक के शरीर पर बने जख्म से साफ प्रतीत होता है कि उनकी हत्या करने के लिए मारपीट कर उन्हें वहां पर फेंक दिया गया। उन्होंने पुलिस से इस घटना के जांच और परिजनों को मुआवजा देने की भी मांग की है। अशोक राणा अपने पीछे अपनी पत्नी और तीन बच्चे छोड़ गए हैं। इधर पुलिस के समझने के बाद सड़क जाम हटाया गया, वहीं थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गयी है।

निलांबित पुलिसकर्मी के आत्महत्या मामले में चार पुलिस अधिकारी फंसे

PHOTON NEWS KODERMA : कोडरमा जिले के चंदवारा स्थित पुलिस लाइन के निलांबित पुलिस चालक मंसूर आलम की आत्महत्या मामले ने पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है। इस घटना में जिले के जयनगर थाना प्रभारी बबलू सिंह, डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव, सपही पिकेट प्रभारी रमेश मरांडी और एसएसआई अरविंद हांसदा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में चंदवारा थाना में रविवार को मामला दर्ज किया गया। मंसूर पिछले तीन माह से निलांबित था। आरोप है कि ड्यूटी के दौरान लापरवाही और शराब सेवन के कारण उसे सस्पेंड किया गया था। आत्महत्या से पूर्व उसने एक



मंसूर आलम की फाइल फोटो

वीडियो जारी कर आरोपित पुलिस अधिकारियों पर झूठे आरोप में फंसाने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया था। वीडियो वायरल होते ही पुलिस मेन्स एसोसिएशन और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने घटना को साजिश करार देते हुए दोषियों पर

कार्रवाई की मांग की। इधर, मृतक की पत्नी ने भी निलंबन के बाद वेतन रोके जाने से उत्पन्न आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव को आत्महत्या का प्रमुख कारण बताया था। उन्होंने भी रांची के बरियातू थाने में दिए बयान में संबंधित अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। इस मामले पर एसपी अनुदीप सिंह ने कहा था कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

ज्ञात हो कि मंसूर आलम ने 30 सितंबर को सल्फास खाकर जान देने का प्रयास किया था। इलाज के दौरान बुधवार 1 अक्टूबर को रिस्म, रांची में उसकी मौत हो गई थी।

झरिया की आग से निपटने की योजना पर राज्य सरकार को मिला निर्देश

RANCHI : झरिया कोयला क्षेत्र में लगी आग से निपटने और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए 5,940 करोड़ रुपये के संशोधित मास्टर प्लान के क्रियान्वयन की प्रगति की निगरानी के लिए एक समिति गठित की जाएगी। कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने इस संबंध में झारखंड सरकार को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया, झारखंड सरकार, कोयला सचिव और झारखंड सरकार के मुख्य सचिव की सह-अध्यक्षता में एक निगरानी समिति गठित करेगी जो संशोधित जेएमपी (झरिया मास्टर प्लान) के कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी के लिए नियमित आधार पर बैठक करेगी। इसमें कहा गया कि झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण (जेआरडीए) को मजबूत करना तत्काल प्राथमिकता है। बता दें कि झारखंड के धनबाद जिले में आग, भू-स्खलन और पुनर्वास से निपटने के लिए संयुक्त परियोजना प्रबंधन परियोजना को केंद्र सरकार ने अगस्त 2009 में मंजूरी दी थी। इसकी कार्यान्वयन अवधि 10 वर्ष थी और कार्यान्वयन-पूर्व अवधि दो वर्ष थी तथा अनुमानित निवेश 7,112.11 करोड़ रुपये था।

विरोध जामताड़ा में गांधी मैदान से डीसी ऑफिस तक निकाला गया जुलूस

सूर्या हांसदा एनकाउंटर व कुड़मी की मांग के खिलाफ उतरे आदिवासी

● एनकाउंटर की सीबीआई जांच व कुड़मी समाज को आदिवासी वर्ग का दर्जा देने की मांग पर सरकार को दी चेतावनी
● आदिवासी संगठनों ने कहा सरकार नहीं चेंती तो कोयला-बालू के परिवहन पर लगा देंगे पूरी तरह रोक



रैली में झंडे व पोस्टर के साथ उमड़े लोग

फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMTARA : देस माझी परगना बाईसी व सांवता सुभार आखड़ा समेत संताल परगना के अलग-अलग जिलों से पहुंचे आदिवासी संगठनों ने सोमवार को जामताड़ा में उग्र प्रदर्शन किया। आदिवासी संगठनों ने सूर्या हांसदा एनकाउंटर में सरकार की भूमिका पर कई सवाल खड़े

किए और पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई से कराने की मांग रखी। साथ कुड़मी समाज की ओर से आदिवासी का दर्जा दिए जाने के विरोध में सरकार को सख्त चेतावनी देकर प्रदेशभर में आर्थिक नाकेबंदी की चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बीते दिनों कुड़मी समुदाय

द्वारा रेल रोको आंदोलन चलाया गया था, जिसमें वे आदिवासी का दर्जा देने की मांग कर रहे थे। इस विरोधाभासी मांग के खिलाफ आदिवासी समाज संगठित होकर सड़कों पर उतरा। रैली के माध्यम से उन्होंने न केवल कुड़मी-महतों की मांग के विरोध में एकजुटता दिखाई, बल्कि समाजसेवी व भाजपा

नेता रहे सूर्या हांसदा के एनकाउंटर मामले में सीबीआई जांच की मांग रखी। इस आंदोलन का नेतृत्व सांवता सुभार आखड़ा समिति के संयोजक मंगल सोरेन, सिदो-कान्हू मुर्मू यूनिवर्सिटी के छात्र संच अय्यथ डॉ. श्यामदेव हेम्रम, देसमाझी परगना बाईसी के अध्यक्ष जगदीश मुर्मू और मुख्य सलाहकार सुनील हेम्रम करेगे और बालू-कोयला के प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने झारखंड में अवैध बालू और कोयला खनन को लेकर भी राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। मंगल सोरेन ने कहा कि आदिवासी समाज की भाषा, परंपरा, पूजा-पद्धति और वेशभूषा अलग है। कुड़मी को आदिवासी दर्जा देने का कोई ऐतिहासिक या सांस्कृतिक आधार नहीं है और हम इसका

पूर्ण विरोध करते हैं। वहीं, डॉ. श्यामदेव हेम्रम ने कहा कि हमारी मांग सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराई जाए और कुड़मी समाज को आदिवासी का दर्जा देने की मांग को अविलंब खारिज किया जाए। यदि सरकार ने हमारी मांगों की अनदेखी की, तो हम झारखंड की सभी राजनीतिक पार्टियों का बहिष्कार करेगे और बालू-कोयला के कारोबार को भी ठप कर देंगे। प्रदर्शन की शुरुआत गांधी मैदान स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद रैली टावर चौक, स्टेशन रोड, दुमका रोड होते हुए समाहरणालय के पास पहुंची। वहां जनसभा की गई। अंत में राज्य सरकार के नाम डीसी को ज्ञापन सौंपा गया।

AGENCY LOHARDAGA : आदिवासी छात्र संघ की जिला इकाई की अगुवाई में कुड़मी समाज की ओर से एस्टी कोटा में शामिल होने संबंधी मांग के विरोध में सोमवार को आदिवासी समाज ने जन आक्रोश रैली निकालकर विरोध दर्ज कराया। रैली में आदिवासी छात्र संघ, केंद्रीय सरना समिति, स्वशासन पड़हा व्यवस्था और जिला राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के सैकड़ों सदस्य और आम लोगों ने भाग लिया। रैली के दौरान जिले के आदिवासी युवक युवतियां, महिला पुरुष पारंपरिक-अस्त्र-शस्त्र और सरना झंडा के साथ शामिल हुए। आदिवासी संगठनों ने इस दौरान एक तीर एक कमान सभी आदिवासी एक समान, आदिवासी एकता जिंदबाद, कुरमी आदिवासी बनना बंद करो के नारे भी लगाए। रैली बीएस कलेज परिसर से



रैली में शामिल महिलाएं व अन्य

निकल कर बरवाटोली चौक, कोयला सिनेमा, पावर गंज चौक होते हुए कचहरी मोड़ से समाहरणालय मैदान में पहुंच कर सभा में परिवर्तित हो गई। इसी के साथ रैली को नेतृत्व कर रहे नेताओं ने राज्यपाल के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से राज्यपाल से किसी भी हाल में कुर्मियों को एस्टी में शामिल नहीं करने का आग्रह किया गया। बाद में सभा को संबोधित करते हुए आदिवासी

छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील उरांव ने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनने के साथ ही हम आदिवासियों के हक अधिकार को छीने का षडयंत्र शुरू हो गया था, जो अब कुरमी समुदाय की ओर से जबर्न एस्टी कोटा में शामिल होने की कुचेष्टा की जा रही है। सुशील उरांव ने कहा कि कुरमी ना तो कभी आदिवासी थे न हैं और न ही रहेंगे। कुरमी आदिवासी होने संबंधी शर्तें बिल्कुल पूरी नहीं करते हैं।

BRIEF NEWS

मनरेगा लोकपाल ने बेड़ों में योजनाओं का किया निरीक्षण



BERO : सोमवार को मनरेगा लोकपाल पुष्प लता जायसवाल ने प्रखंड के जरिया पंचायत का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत सचिवालय में मनरेगा से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के अभिलेखों की जांच की। लोकपाल ने कहा कि योजनाओं से संबंधित सभी अभिलेखों में आवश्यक दस्तावेजों पर मुहर, दिनांक और हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से अंकित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक योजना के तीनों चरणों की फोटोग्राफी कर नोट केप के माध्यम से अभिलेखों में सुरक्षित रखा जाए। इसके बाद उन्होंने पंचायत के विभिन्न गांवों में सिंचाई कूप, आम बागवानी एवं अन्य योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया।

बेड़ों सर्किल में अपराध नियंत्रण को लेकर डीएसपी ने की मीटिंग



BERO : सोमवार को पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय में सोमवार को डीएसपी अशोक कुमार राम की अध्यक्षता में बेड़ों सर्किल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों के साथ अपराध नियंत्रण को लेकर बैठक हुई। बैठक में क्षेत्र में अचूक उन्मुखन, पशु तस्करी एवं उनके परिवहन पर रोकथाम के लिए विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। डीएसपी ने लूट, डकैती एवं अन्य अपराधिक मामलों के शीघ्र निष्पादन का सख्त आदेश दिया। साथ ही विगत तीन वर्षों में घटित हत्या, लूट और डकैती कांडों के अपराधियों की वर्तमान गतिविधियों पर पैनी नजर रखने को कहा। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अधीनस्थ पदाधिकारियों के साथ लॉबिड मामलों की समीक्षा कर जल्द निष्पादन करने, बाजार क्षेत्रों में विशेष गश्ती बढ़ाने और नशाखोरी के खिलाफ अभियान चलाने का निर्देश दिया।

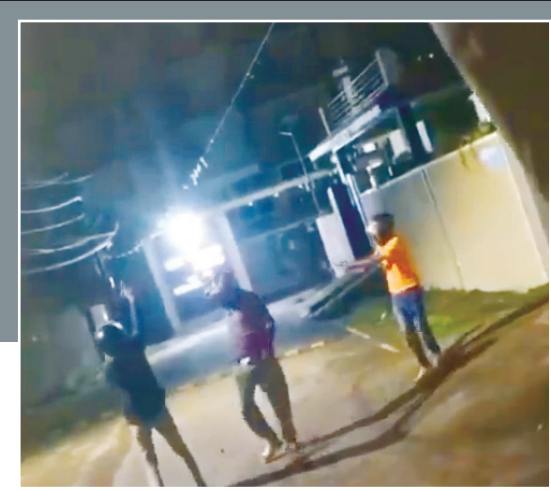
एसर का रांची में खुला एक्सवर्लुसिव शोरूम

BERO : सोमवार को राजधानी रांची के मेन रोड स्थित रोशपा टॉवर में एसर के एक्सक्लुसिव शोरूम का उद्घाटन हुआ। संचालक विकास व अभिषेक झांझरिया ने बताया कि यहां हाई-परफॉमेंस और गेमिंग लैपटॉप, एक्ससेसरीज की पूरी रेंज उपलब्ध है। स्टोर में ग्राहकों को इंटरैक्टिव अनुभव, तकनीकी मार्गदर्शन और उत्पादों का डेमो मिलेगा। छात्रों को 7% की छूट और फ्रेड्रिट कार्ड पर 20,000 तक केशबैक जैसी आकर्षक सुविधाएं दी जा रही हैं। एसर इंडिया के अनुसार, यह स्टोर रिटेल विस्तार योजना का हिस्सा है, जिससे प्रीमियम तकनीक को देशभर में सुलभ बनाया जा सके।

कुसई कॉलोनी के सत्यभामा ग्रांड अपार्टमेंट के बाहर गोलीबारी, सुजीत गिरोह ने ली जिम्मेदारी
डोरंडा में 40 राउंड से अधिक फायरिंग का दावा
18 घंटे के बाद पुलिस को मिली जानकारी

SUHAIB ANSARI RANCHI : रांची के डोरंडा इलाके में हुई फायरिंग के बाद इन दोनों गिरोह के बीच विवाद बढ़ गया है। आरोप है कि वर्चस्व की लड़ाई में केएसएस के लोगों ने गत चार अक्टूबर की रात को डोरंडा थाना क्षेत्र के कुसई कॉलोनी में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। गैंग के लोगों ने सत्यभामा ग्रांड अपार्टमेंट के बाहर 40 राउंड से अधिक फायरिंग की। इस अपार्टमेंट में आकाश राय उर्फ मोनु का फ्लैट है। मोनु फिलहाल देवघर के मधुपुर जेल में बंद है। यहां उसके पिता रहते हैं। बता दें कि रांची में हुई फायरिंग की जानकारी पुलिस को घटना के अगली रात मिली। इसके बाद डोरंडा थाना प्रभारी और हटिया डीएसपी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया है। सिटी एसपी पारस राणा ने इसकी पुष्टि की है। घटना का एक वीडियो भी वाइरल हुआ था। इसमें तीन लोग गोलियां चलाते आ दिख रहे थे। पुलिस की पूछताछ में आकाश राय उर्फ मोनु के पिता ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें नहीं थी। पुलिस के पहुंचने के बाद वारदात का पता चला। अपार्टमेंट के गार्ड का कहना है कि रात में जब वह सो रहा था। अचानक से उसे पटाखा फोड़ने जैसी आवाज सुनाई दी। पटाखे की आवाज समझकर वह सोता रहा। इतनी बड़ी घटना हो जाने के बाद भी पुलिस को इसकी जानकारी 18 घंटे बाद मिली। इससे पुलिस की चौसकी साफ नजर आती है। घटना को अंजाम देने के बाद केएसएस ने फेसबुक पोस्ट में लिखा- कोयलांचल के सभी कोल कारोबारियों को कुबेर का संदेश है कि गत 20 अक्टूबर को एनटीपीसी चतरा में राहुल सिंह गैंग के द्वारा 4 गोलियां हवा में चलाई गई थीं, उसके जवाब में आकाश राय उर्फ मोनु के घर सत्यभामा अपार्टमेंट के गेट के बाहर केएसएस टीम के द्वारा 40 से ज्यादा गोलियां चलाकर अपने कमिटीमेंट को पूरा किया। चूँकि अपार्टमेंट में बहुत सारे प्रतिष्ठित लोग और बिजनेसमैन रहते हैं, इसी वजह से अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग कराई गई, ताकि किसी सिविलियन को तकलीफ न हो। केएसएस ने चेतावनी दी कि अगली बार राहुल सिंह गैंग द्वारा किसी भी कंपनी पर घटना कराई गई तो सीधा अपार्टमेंट के अंदर फ्लैट में घटना को अंजाम दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि रंगदारी वसूली के खेल में गैंगस्टर सुजीत सिन्हा हर हाल में अपनी बादशाहत कायम रखना चाहता है। इसमें उसे अब राहुल और आकाश गैंग से कड़ी चुनौती मिल रही है। आकाश के घर के बाहर फायरिंग के जरिए सुजीत गिरोह ने अपना वर्चस्व दिखाने की कोशिश की है।

घटना का एक वीडियो भी हुआ था वायरल, तीन लोग दिखाई दे रहे थे गोलियां चलाते



राहुल दुबे की सुजीत सिन्हा को खुलेआम धमकी
सोमवार को राहुल दुबे ने सुजीत सिन्हा को खुलेकर धमकी दी। राहुल ने फेसबुक में पोस्ट कर लिखा कि सुजीत भैया आप जो कोयलांचल शांति सेना की आड़ में खेल खेल रहे हैं, इसकी पूरी शक्ति हम बंद कर देंगे। आप शुरूआत करके देखिए, हम आपको बताते हैं कि पलामू और रांची भरे से छिपा हुआ नहीं है। इतनी गोली और बम मारेंगे कि आपकी पूरी शक्ति भंग हो जाएगी। कोयला कारोबारी को ठगने के लिए जो आप नया धंधा शुरू किए हैं, यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। पलामू में आपका घर, पलामू जेल गेट और रांची में आपकी सास, सभी जगह इतना बम मारेंगे कि आपके घर में कोई नहीं बचेगा।

अपार्टमेंट के गार्ड ने बताया- रात में सोने के दौरान उसे पटाखा फोड़ने जैसी सुनाई दी आवाज

24 घंटे के अंदर राहुल दुबे गैंग ने चंदवा साइडिंग टोरी में दिया फायरिंग की घटना को अंजाम

फायरिंग के बाद राहुल दुबे गैंग ने किया पलटवार

डोरंडा इलाके में फायरिंग की घटना के बाद राहुल दुबे गैंग ने 24 घंटे के अंदर चंदवा साइडिंग टोरी में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। इस घटना की जिम्मेदारी लेते हुए उसने फेसबुक पोस्ट लिखा- यह घटना सिर्फ रंजीत गुप्ता और सुमित चटर्जी के कान का पर्दा हटाने के लिए थी। इससे पहले भी रंजीत गुप्ता साइडिंग में गोलीबारी करके चेतावनी दी गई थी, फिर भी उसकी बातों को नजरअंदाज किया गया, यह घटना उसी का परिणाम है। राहुल ने चेतावनी दी कि अगर इस घटना के बावजूद भी बात उसकी समझ में नहीं आती तो अगली बार ऑफिस, घर और गाड़ी पर बम फेंका जाएगा। ये सभी जगह उससे छिपी हुई नहीं है। अगर बात समझ नहीं आती तो अगली बार इससे भी दर्दनाक और जोरदार धमके होंगे।



राहुल के पोस्ट को शेयर कर केएसएस ने किया काउंटर अटैक
घटना के तुरंत बाद राहुल दुबे ने फेसबुक पर पोस्ट कर चेतावनी दी थी। इसके बाद केएसएस ने भी राहुल की पोस्ट की स्क्रीनशॉट को शेयर कर काउंटर अटैक किया। इस पोस्ट में केएसएस ने लिखा कि चंदवा टोरी साइडिंग में जो गोली चलने की घटना राहुल दुबे की पूरी फेमिली की डिटेल लेकर बेटी ने सल्लान में ले लिया है। किसी भी कोल कंपनियों और कोल कारोबारियों को डरने की जरूरत नहीं है, केएसएस उसके साथ हमेशा खड़ी है। ये लोग 2 या 4 गोलियां चलाकर भाग जाते हैं और फेसबुक पर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। केएसएस का इन्फॉर्मेशन विंग राहुल दुबे की पूरी फेमिली की डिटेल लेकर बेटी है। सुमित चटर्जी और रंजीत गुप्ता 2 या 5 गोलियों से डरने वाले शख्स नहीं हैं और जब केएसएस साथ में खड़ी है तो डर नहीं फाइल होगा। हम लड़ेंगे और तुम जैसे लोगों को तुम्हारी ही भाषा में जवाब देने के लिए केएसएस की टीम रेडी है। जल्द ही दिखाएंगे कि घटना कैसे की जाती है। अगर तुम कोल साइडिंग पर किसी भी वर्कर को मारकर या धायल कर जाते तो हम सीधा आरा में तुम्हारे परिवार से गिनती कम करते। लेकिन सिर्फ फायरिंग की गई है तो हम भी फायरिंग ही दिखाएंगे और तगड़ी दिखाएंगे। बोल कर मारता हूँ, यही मेरा स्टायल है। कुबेर।

अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई, सड़क किनारे से हटाए गए ट्रेले और गुमटी



सड़क को अतिक्रमण मुक्त करती रांची नगर निगम की टीम

दुकानदारों ने जताई नाराजगी
अभियान के दौरान कई दुकानदारों ने विरोध जताया। उनका कहना है कि वे वर्षों से यहां दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। अचानक कार्रवाई से उनकी भोजन पर संकट खड़ा हो गया है। कुछ विक्रेताओं ने वैकल्पिक स्थल की मांग की है ताकि वे अपने व्यापार को जारी रख सकें। इस दौरान लोगों के सामान भी जब्त किए गए।
दुकानों के कारण जाम की स्थिति बनी रहती थी। जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सड़क के दोनों किनारों को खाली कराकर यातायात के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

झारखंड में तीन कफ सिरप पर बैन
डीईजी की अधिक मात्रा पाए जाने पर जारी किया गया अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की खबरों के बाद पूरे देश में अलर्ट जारी कर दिया गया है। झारखंड के स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा कदम उठाते हुए तीन कफ सिरप के उपयोग के साथ खरीद-विक्री पर रोक लगा दी है। मध्य प्रदेश के स्टेट लैब द्वारा इन दवाओं में डाई इथाइल ग्लाइकोल (डीईजी) की निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा की पुष्टि की गई। बैन किए गए सिरप में कोल्डरिफ सिरप (श्रेसन फार्मास्यूटिकल, कांचीपुरम, तमिलनाडु), रेस्प्रीफ्रेष टीआर सिरप (रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स प्रा लि, अहमदाबाद, गुजरात) और रिलीफ सिरप (शेप फार्मा प्रा लि, सुरेंद्रनगर, गुजरात) शामिल हैं।



डॉक्टरों की सलाह पर ही बच्चों को दें कफ सिरप

इंग इन्स्पेक्टर को तुरंत दें सूचना
राज्य सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कहीं भी इन प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पाई गई तो संबंधित संस्थान के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं जनता से भी अपील की गई है कि यदि उनके पास इन कफ सिरप की कोई बॉल मौजूद है, तो उसका उपयोग तुरंत बंद करे और नजदीकी इंग इन्स्पेक्टर या अस्पताल को इसकी जानकारी दें। किसी भी तरह की सूचना विभाग की वेबसाइट पर दे सकते हैं।
यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं या मृत्यु का कारण बन सकती हैं। झारखंड राज्य औषधि निदेशालय ने सभी इंग इन्स्पेक्टरों, थोक विक्रेताओं और खुदरा फार्मसियों को निर्देश दिया है कि इन दवाओं का उपयोग और विक्रय पूर्ण रूप से बंद किया जाए। साथ ही सभी संबंधित अधिकारी इसकी निगरानी करेंगे। वहीं अभियान चलाकर सैपलिंग करें और रिपोर्ट निदेशालय को भेजें।

जटिल स्थिति लेप्रोस्कॉपिक विभाग के डॉक्टरों ने पहली बार किया ऐसा ऑपरेशन
दाई की जगह बाईं ओर था गॉल ब्लैडर, सदर में हुई सर्जरी

PHOTON NEWS RANCHI : सदर अस्पताल जैसे तो बेहतरीन व्यवस्था को लेकर चर्चा में रहता है। वहीं एक के बाद एक उपलब्धियां भी इसकी कड़ियों में जुड़ती जा रही हैं। अब एक बार फिर से यहां के डॉक्टरों ने अनोखा ऑपरेशन किया है। सदर हॉस्पिटल के लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी विभाग ने पहली बार एक ऐसे मरीज की सफल गॉल ब्लैडर स्टोन सर्जरी की है, जिसमें गॉलब्लैडर शरीर के दाईं ओर की बजाय बाईं ओर था। इसे कंप्लीट साइटस इनवर्सस कहा जाता है। इस कंडिशन से कई गॉलब्लैडर जैसे अंग शरीर में उल्टे स्थान पर पाए जाते हैं। ऐसा 20,000 में किसी एक व्यक्ति में पाया जाता है।

उल्टी दिशा में खड़ा होकर करना पड़ा ऑपरेशन
यह सर्जरी सामान्य सर्जरी से अधिक जटिल थी क्योंकि डॉक्टरों को अपने सामान्य की जगह उल्टी दिशा में खड़े होकर ऑपरेशन करना पड़ा। लेकिन अनुभवी टीम ने इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार किया। मरीज के पति जोसेफ उराव ने अस्पताल प्रशासन व सर्जरी टीम का धन्यवाद किया। मरीज का इलाज आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क किया गया। इस सर्जरी टीम में डॉ. अजीत कुमार (एडवांस्ड लेप्रोस्कॉपिक सर्जन), डॉ. वसुधा गुप्ता व डॉ. विकास बल्लभ (एनेस्थेसिस्ट), सिस्टर स्नेहला, ओटी स्टफ सदीप, संतोष, सुष्टि, सुरेश, अमन, विरंजन, कल्पना, नदिनी शामिल थे।

अग्रसेन भवन में लगे दो दिवसीय स्पार्कल मेले का हुआ उद्घाटन
PHOTON NEWS RANCHI : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंच सुजन शाखा की ओर से आयोजित दो दिवसीय स्पार्कल मेला का शुभारंभ सोमवार को महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने फीता काटकर मेले का औपचारिक उद्घाटन किया। इस दौरान शाखा अध्यक्ष नेहा सरावगी, शाखा सचिव रीता मोदी और कोषाध्यक्ष निधि शर्मा भी मौजूद थे। इस दौरान राशि सरावगी ने गणेश वंदना की। मौके पर महुआ माजी ने महिला उद्यमियों के लिए सरकार की नई योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार काम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराती है और विदेश में एग्जिबिशन लगाने वाली महिला

सर्जनी का नेतृत्व लेप्रोस्कॉपिक सर्जन डॉ. अजीत कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि मरीज बी बाड़ा बेड़ो थाना अंतर्गत ईटा चंद्ररी रांची की रहने वाली हैं। फिलहाल वह मोरहाबादी में रहती हैं। पिछले तीन महीने से उन्हें पेट दर्द की शिकायत थी। प्रारंभिक जांच में एक्ज्यूट पैन्क्रियटाइटिस पाया गया। आगे की जांच में गॉलब्लैडर में कई ओले, जो शरीर के बाएं हिस्से में था। बाद में इको और सीची स्कैन करने पर पाया गया कि मरीज को कंप्लीट साइटर इनवर्सस है। उनका हार्ट दाईं ओर के अलावा अन्य आकार अंग भी सामान्य के विपरीत जगह पर मिले।

यह सर्जरी सामान्य सर्जरी से अधिक जटिल थी क्योंकि डॉक्टरों को अपने सामान्य की जगह उल्टी दिशा में खड़े होकर ऑपरेशन करना पड़ा। लेकिन अनुभवी टीम ने इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार किया। मरीज के पति जोसेफ उराव ने अस्पताल प्रशासन व सर्जरी टीम का धन्यवाद किया। मरीज का इलाज आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क किया गया। इस सर्जरी टीम में डॉ. अजीत कुमार (एडवांस्ड लेप्रोस्कॉपिक सर्जन), डॉ. वसुधा गुप्ता व डॉ. विकास बल्लभ (एनेस्थेसिस्ट), सिस्टर स्नेहला, ओटी स्टफ सदीप, संतोष, सुष्टि, सुरेश, अमन, विरंजन, कल्पना, नदिनी शामिल थे।

छठ घंटों की सफाई शुरू करने का निगम प्रशासक ने दिया निर्देश
RANCHI : आने वाले छठ महावर्ष को लेकर रांची नगर निगम पूरी तरह सक्रिय हो गया है। सोमवार को निगम सभागार में प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम के पदाधिकारी, अभियंता, जोनल अधिकारी और शहर की प्रमुख छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में छठ घंटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल, चैंजिंग रूम, अतिक्रमण हटाओ अभियान और यातायात व्यवस्था जैसे बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। पूजा समितियों ने घंटों के पास स्टोन डस्ट बिछाने, अतिक्रमण हटाए जाने और सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग की मांग रखी।

आदित्यपुर से 40 लाख रुपये के ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्क़र गिरफ्तार

सरायकेला-खरसावां जिले में नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी पुलिसिया कार्रवाई

PHOTON NEWS ADITYAPUR : सरायकेला-खरसावां जिले की पुलिस ने आदित्यपुर की मुस्लिम बस्ती से लगभग 40 लाख रुपये की ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्क़रों को गिरफ्तार किया है। यह जिले में ब्राउन शुगर के खिलाफ पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। एसपी युकेश कुमार लुनायत ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने तीनों तस्क़रों को पकड़ा और उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इनके पास 207.91 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया गया।

गिरफ्तार किए गए तस्क़रों की पहचान कुख्यात शाहबाज खान, मोहम्मद समीर उर्फ मोहम्मद



प्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी युकेश लुनायत

फोटोन न्यूज

आयान और रफीकुल इस्लाम के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। एसपी ने बताया कि यह

कार्रवाई मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में ब्राउन शुगर

की खरीद-बिक्री किसी भी कोमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रखेगी।

अपराधियों का ब्योरा

- शाहबाज खान, उम्र 19 वर्ष, पच, रोड मुस्लिम बस्ती, थाना आदित्यपुर, जिला- सरायकेला-खरसावां।
- मो. समीर उर्फ मो. आयान, उम्र 19 वर्ष, ग्राम- दुर्गा पाउडर हाउस नन्दनी रोड करुणा अस्पताल के पास, नियर दुर्गा मंदिर, थाना- जामुन, जिला- दुर्गा, छत्तीसगढ़।
- रफीकुल इस्लाम, उम्र 50 वर्ष, ग्राम- चांदपुर, पोस्ट- लास्कपुर, थाना- लालगोला, जिला- मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल)।

छापेमारी टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी

समीर कुमार सर्वेश, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सरायकेला, पु.नि. विनोद तिकी (पु.नि.-सह- थाना प्रभारी आदित्यपुर थाना), पु.अ.नि. विनोद दुडू, पु.अ.नि. सुरेश राम, पु.अ.नि. रामरखा पासावन, पु.अ.नि. कौशल कुमार, पु.अ.नि. सुष्मा कुजूर व स.अ.नि. शमा सुसारी लकड़ा शामिल थे।

मानगो में 140 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ दो तस्क़र धराए

JAMSHEDPUR : मानगो थाना अंतर्गत उलीडीह में रविवार को पुलिस ने ब्राउन शुगर तस्क़रों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने छापेमारी कर ब्राउन शुगर के दो तस्क़रों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 140 पुड़िया ब्राउन शुगर (कुल 18 ग्राम) और 2000 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। डीएसपी पटमदा वचनदेव कुजूर ने सोमवार को प्रेस वार्ता में बताया कि एसएसपी पीयूष पांडेय की सूचना मिली थी कि उलीडीह ओपी इलाके में मुर्दा मैदान के पास ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री चल रही है। इस पर उनके नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई और तुरंत छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान दो आरोपियों बदन खान उर्फ शेख बदन और पवन साहू को गिरफ्तार किया गया। पुष्पाछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे ब्राउन शुगर के धंधे में लंबे समय से सक्रिय हैं। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, इनके खिलाफ मानगो, सीतारामपेड़ा और उलीडीह ओपी में पहले से भी कई मामले दर्ज हैं। डीएसपी वचनदेव कुजूर ने बताया कि यह कार्रवाई नशे के नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में बड़ी कामयाबी है। छापेमारी दल में ओपी प्रभारी दीपक कुमार टाकुर, एएसआई रविंद्र पांडेय, विष्णु चरण भोगता, विवेक पाल, विजय कुमार और रिजर्व गार्ड शामिल थे।



विवाहिता ने फंदे पर लटक कर दे दी जान



CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के गुलरुवा गांव में एक विवाहिता ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। मृतका की पहचान गुरवारी बाईया (23) के रूप में हुई है, जो गुलरुवा के गागा टोला निवासी कुंवर सिंह बाईया की पत्नी थी। परिजनों ने बताया कि गुरवारी ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए चक्रधरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है।

बाइक सवार ने बकरी चरा रही महिला को मारी टक्कर, मौत

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां शीशाखुन मुख्य सड़क के किनारे जोड़ाम गांव के नजदीक बकरी चरा रही 57 वर्षीय महिला राधा बास्के को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में महिला गंभीर रूप से जखमी हो गई और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शीशाखुन की तरफ से आ रही एक बाइक अचानक बेकाबू हो गई और सड़क किनारे खड़ी महिला को टक्कर मारते हुए निकल गई। हादसे के बाद बाइक सवार बिना रुके चाकुलिया की तरफ फरार हो गया। घटना के बाद परिजनों ने 108 नंबर एंबुलेंस की मदद से घायल



मृतक की फाइल फोटो

महिला को चाकुलिया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉ. संपा मन्ना चोप ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही चाकुलिया थाना के एसआई पीतांबर चव्वाला को पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के लिए घाटशिला भेज दिया है। पुलिस अब फरार बाइक चालक की तलाश में जुट गई है।

समाचार सार

सोमन वांगचुक के समर्थन में उतरा झारखंडी समाज

JAMSHEDPUR : लद्दाख के प्रसिद्ध पर्यावरणविद, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोमन वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ देशभर के साथ जमशेदपुर में भी आवाज बुलंद हो रही है। पूर्वी सिंहभूम जिले के झारखंडी समाज, जिसमें विभिन्न सामाजिक, जनजातीय और पारंपरिक संगठन शामिल हैं, ने सोमवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर इस गिरफ्तारी की निंदा की और लद्दाख की न्यायपूर्ण मांगों - छठी अनुसूची, राज्य का दर्जा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार का समर्थन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सोमन वांगचुक को लद्दाख के पहाड़ी इलाकों में सवत विकास, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा और स्थानीय शिक्षा मॉडल के लिए जाना जाता है। उन्होंने 'आईस स्टूपा प्रोजेक्ट' जैसे अभियान पहले से दुनिया का ध्यान हिमालयी परिस्थितिकी की ओर खींचा था। ऐसे व्यक्ति की गिरफ्तारी को झारखंडी समाज ने लोकतंत्र और पर्यावरण दोनों पर सीधा हमला बताया।

चिड़ियाघर में हुई निबंध प्रतियोगिता

JAMSHEDPUR : वन्यजीव सप्ताह समारोह 2025 के अंतर्गत, टाटा स्टील जूलाजिकल पार्क ने जमशेदपुर वन प्रभाग के सहयोग से 6 अक्टूबर को ऑन द स्पॉट निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई। वन्यजीव संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी का महत्व की थीम पर 13 विभिन्न विद्यालयों के 8वीं से 12वीं कक्षा तक के 42 छात्रों ने भाग लिया। इसका परिणाम 10 अक्टूबर को घोषित किया जाएगा, जबकि पुरस्कार वितरण समारोह 12 अक्टूबर को टाटा स्टील जूलाजिकल पार्क के मुख्य लॉन में होगा।

सड़क दुर्घटना में अखबार विक्रेता घायल

GHATSILA : मऊभंडार ओपी क्षेत्र अंतर्गत मऊभंडार बाजार के समीप बाइक से गिर कर घाटशिला के अखबार विक्रेता सुब्रतो दास रविवार की रात 8 बजे घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से निजी वाहन से अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर रेफर कर दिया। अनुमंडल अस्पताल के उपाध्यक्ष डॉ. आरएन सोरेन ने बताया कि सिर में चोट लगने के कारण नाक से ब्लॉडिंग हो रही है।

रांची में सांसद से मिला साहू समाज

JAMSHEDPUR : राज्यसभा (भाजपा) सदस्य-सह-भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू से मिलने सोमवार को जमशेदपुर का साहू समाज मिला। इसमें सांसद विद्युत बरण महतो के प्रतिनिधि संजीव कुमार, भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हलधर नारायण साहू, भाजपा ओबीसी मोर्चा के कोल्हाण प्रभारी गोपाल प्रसाद जायसवाल एवं मोर्चा के पूर्व प्रवक्ता श्रीकांत देव शामिल थे।

युवक ने की खुदकुशी, प्रेमिका पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप

PHOTON NEWS JSR : मानगो थाना अंतर्गत टीचर्स कॉलोनी में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब 24 वर्षीय युवक अभिषेक शर्मा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस का कहना है कि अभिषेक बीते एक साल से एक विवाहित महिला के साथ लिव-इन रिश्तेनशिप में रह रहा था। महिला अपने पति और दो बच्चों से अलग युवक के साथ एक अपार्टमेंट में रह रही थी। यह अपार्टमेंट युवक ने ही किराए पर लिया था। घटना सोमवार सुबह की बताई जा रही है। अभिषेक का शव फंदे पर लटका हुआ था। महिला का कहना है कि उसने इसकी जानकारी सुबह हुई। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और अभिषेक को एमजीएम अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।



मृतक की फाइल फोटो

युवक की मौत पर अस्पताल परिसर में परिजनों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने प्रेमिका पर गंभीर इल्जाम लगाते हुए उसे पीटने की कोशिश की। इस पर मौके पर मौजूद होमगार्ड के जवानों ने हालात को संभाला और महिला को युवक के परिवार से उठ कर चला गया और आत्महत्या कर ली। आखिर अभिषेक किस वजह से तनाव में था जो उसने यह कदम उठाया। या फिर अभिषेक के मौत की कोई और वजह है।

तड़ीपार गुड्डू पांडेय के घर पर फायरिंग, गैंगवार की आहट

JAMSHEDPUR : मानगो के उलीडीह थाना अंतर्गत सोमवार को तड़के गोलियों की तड़तड़हट से इलाके में दहशत फैल गई। डिमना रोड स्थित संजय पथ में सोमवार को सुबह करीब पांच बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने कुख्यात अपराधी गुड्डू पांडेय के घर पर ताबड़गोड़ फायरिंग की। इस घटना में बदमाश टेका चौधरी का नाम सामने आ रहा है। पुलिस आरोपियों की तलाश में उनके सदिग्ध ठिकानों पर दबिश दे रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टेका चौधरी आस्था स्पेस टाउन का रहने वाला है। उसने पहले घर की कॉल बेल बजाई, फिर गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद अचानक पिस्तौल निकालकर चार राउंड फायरिंग की। पूरी वारदात घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इसी के आधार



सीसीटीवी में फायरिंग करता युवक

पर पुलिस ने आरोपियों का पता लगाया है। फायरिंग के समय कई लोग मॉनिंग वॉक कर रहे थे। अचानक गोलियों की आवाज सुनकर लोग भागने लगे। कई लोग दहशत में भाग कर घरों के अंदर चले गए। आरोप है कि टेका चौधरी ने घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे को भी निशाना बनाया, ताकि वारदात का सबूत मिट जाए। गुड्डू पांडेय के परिजन उस समय घर में मौजूद थे, लेकिन गोलीवारी शुरू होते ही वे पिछवाड़े के रास्ते भाग निकले।

तुलसी भवन में विजया मिलन के साथ मनी वाल्मीकि जयंती



JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन ने रविवार को विजया मिलन समारोह (काय कलश) सह आदिवासी महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य समिति की मार्गदर्शक डॉ. रागिनी भूषण तथा संचालन नीतीमा पांडेय ने की। सरस्वती वंदना डॉ. वीणा पांडेय भारती एवं स्वागत भाषण मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी ने प्रस्तुत किया, जबकि अंशोक पाठक स्नेही ने महर्षि वाल्मीकि का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन साहित्य समिति के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. यमुना तिवारी व्यथित ने किया। मौके पर अतिथिध्वज शिक्षाविद डॉ. मुदिता चंद्रा एवं संस्थान के न्यासी मुरालीधर केडिया सहित मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी मंवासीन रहे।

पिकअप वैन की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत, जाम किया रोड

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के कराइकेला थाना क्षेत्र में रविवार की रात 9.45 बजे सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान झारखंड नायक (52) के रूप में हुई है, जो कराइकेला के एक होटल में काम करता था। वह होटल में काम खत्म कर घर लौट रहा था, तभी रांची से चक्रधरपुर की ओर जा रहे पिकअप वैन ने उसे कुचल दिया। सोमवार की सुबह इस घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण कराइकेला थाना पहुंचे और मृतक के परिजनों को मुआवजा और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए थाना के सामने ही रांची-चाइबासा मुख्य मार्ग (एनएच-75ई) को जाम कर दिया। जाम की सूचना पर डीएसपी शिवम प्रकाश



सड़क जाम कर रहे लोगों से बात करते पुलिस पदाधिकारी

फोटोन न्यूज

और बीडीओ भीष्म कुमार मौके पर पहुंचे और जाम करने वालों से बात की। करीब 3 घंटे बाद दोपहर 12 बजे जाम हटाया गया। डीएसपी ने आश्वासन दिया कि दोषी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और मृतक के परिवार को 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा अन्य सहायता राशि भी जरूर दी प्रदान की जाएगी। मृतक के परिवार में

उसकी पत्नी सुमंती देवी, पुत्र विनेश नायक (20) और पुत्री पूजा नायक (17) हैं। परिवार का कहना है कि मृतक ही घर का एकमात्र कमाने वाला था, इसलिए उसकी मौत के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। ग्रामीणों ने कहा कि कराइकेला स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर नहीं होने के कारण समय पर इलाज नहीं हो सका, जिस कारण मौत हुई।

समस्या उपायुक्त को विधायक ने लिखा पत्र, मानगो पेयजल आपूर्ति परियोजना के परिचालन पर जताया गंभीर असंतोष

दबाव बनाने के बाद सुधर जाती है पेयजल आपूर्ति, फिर वही हाल : सरयू

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने पूर्वी जमशेदपुर के उपायुक्त को पत्र लिख कर मानगो में चल रही पेयजल आपूर्ति परियोजना के परिचालन पर गंभीर असंतोष जताया है। सरयू राय ने पत्र में लिखा है कि उनकी पहल पर पेयजल स्वच्छता विभाग के सचिव स्तर से हुए हस्तक्षेप के फलस्वरूप इटकेवेल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में नए पावर मोटर खरीदे गए, लगे भी पर इनका कार्य संतोषप्रद नहीं है। इनका परिचालन भी नियमानुकूल नहीं हो पा रहा है। बड़ा इलाका नियमित जलापूर्ति से वंचित है। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के संचालन में विसंगतियों की ओर उन्होंने कई बार ठोस संकेत किया पर हल नहीं निकल सका।

- सोमवार की दोपहर तक मानगो-उलीडीह के कई इलाकों में नहीं हुई जलापूर्ति
- पेयजल स्वच्छता विभाग के सिविल-मेकेनिकल विंग के अधिकारी एक-दूसरे पर मढ़ते दोष



विधायक सरयू राय

संतोषजनक जलापूर्ति हुआ करती थी। मानगो की अखाड़ा गली, लक्ष्मी नगर, गौड़ बस्ती, राधाकृष्ण मंदिर के पीछे तथा उलीडीह की रामकृष्ण कॉलोनी, बिरसा पथ, फुटबॉल मैदान के पीछे का इलाका, जवाहर नगर रोड नंबर 4, न्यू उलीडीह आदि स्थानों पर पहले पीने का पानी

आता था, पर कुछ दिनों से नहीं आ रहा है। इतना ही नहीं, जाकिर नगर, बगानशाही इलाकों की भी ऐसी ही स्थिति है। समता नगर का एक भाग पेयजल सुविधा से सर्वथा वंचित ही है। जदयू विधायक ने उपायुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि आप समय-समय पर इस परियोजना की एवं अन्य परियोजनाओं की सघन समीक्षा करते हैं। अब इसका परिचालन नगर निगम के पास आ रहा है। ऐसी स्थिति में नगर निगम के पदाधिकारियों की भी इस परियोजना के परिचालन के संबंध में सजग रहने का दायित्व बनना है। विधायक के अनुसार, पेयजल स्वच्छता विभाग के अधिकारी इस मामले में लापरवाही बरत रहे हैं। वह इनसे उब गए हैं। दबाव बनने के

बाद संबंधित इलाकों में पेयजल आपूर्ति सुधर जाती है, फिर वही ढाक के तीन पात। इस मामले में पेयजल स्वच्छता विभाग के मानगो पेयजल आपूर्ति परियोजना एक महात्वाकांक्षी जनसुविधा परियोजना है, जिसके संस्थापन पर 125 करोड़ रुपये से अधिक व्यय हो चुका है, फिर भी परियोजना अधूरी है। मानगो के बालीगुमा क्षेत्र में पानी की टंकी बनकर कई साल से खड़ी है। पूरे इलाके में आपूर्ति पाइपलाइन बिछाई गई है, पर कतिपय नगण्य सदृश कारणों से उपभोक्ता जलापूर्ति के लाभ से वंचित हैं।

ऐसी ही स्थिति पृथ्वी पार्क स्थित पानी टंकी की भी है। 2014-19 कालखंड में विधायक के नाते उन्होंने इस टंकी की स्थापना के मार्ग की बाधाओं को दूर कराकर इसका निर्माण सुनिश्चित कराया। टंकी का निर्माण हो जाने के बावजूद गत 5 वर्ष से इस टंकी से जलापूर्ति नहीं हुई। गत फरवरी माह में पेयजल स्वच्छता विभाग के सिविल और मेकेनिकल भागों में समन्वय कराकर इसे चालू कराया, परंतु इसका परिचालन असंतोषजनक होने के कारण उपभोक्ताओं के घरों तक पेयजलापूर्ति किसी दिन होती है, किसी दिन नहीं होती है। इस मामले में पेयजल स्वच्छता विभाग के सिविल और मेकेनिकल विंग के अधिकारी एक दूसरे पर दोष मढ़ते रहते हैं।

विधायक ने सीएम को लिखा पत्र, 86 बस्ती के मालिकाना हक की रखी मांग

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर की 86 से अधिक बस्तियों के वासियों को मालिकाना हक प्रदान करने की दिशा में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी क्रम में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर बस्तीवासियों को भूमि पर पूर्ण मालिकाना हक दिए जाने की मांग की है। उन्होंने इसे जनहित से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील व गंभीर मुद्दा बताया है। विधायक ने पत्र में उल्लेख किया है कि जमशेदपुर की इन बस्तियों में लाखों लोग कई दशकों से निवास कर रहे हैं और उनकी वर्षों से यह मांग रही है कि उन्हें उनकी आवासीय भूमि में मालिकाना हक मिले, ताकि उनका जीवन सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थिर बन सके। पत्र में उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा



विधायक पूर्णिमा साहू

टाटा लीज नवीकरण के दौरान वर्ष 2005 में नीतिगत निर्णय लेते हुए लगभग 1800 एकड़ भूमि इन 86 बस्तियों के लिए सुरक्षित रखी गई थी। इसके बाद वर्ष 2018 में तत्कालीन एनडीए सरकार ने बस्तीवासियों को 10-10 डिसेमिल भूमि आवासीय उद्देश्य से लीज बंदोबस्ती की नीति बनाकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया था। उन्होंने आगे कहा कि झामुमो व कांग्रेस ने भी पिछले विधानसभा चुनाव में अपने घोषणापत्र और चुनावी सभाओं में बस्तीवासियों को मालिकाना हक देने का स्पष्ट आश्वासन दिया था।

BRIEF NEWS

अनुकंपा के आधार पर 52 अभ्यर्थियों को मिली नियुक्ति

DARBHANGA : दरभंगा जिला अंतर्गत माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अनुकंपा के आधार पर कुल 52 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इनमें 44 विद्यालय लिपिक एवं 8 विद्यालय परिचारी के पद शामिल हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी कौशल कुमार ने नियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा विभाग में नियुक्त यह कर्मी अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि अनुकंपा पर मिली नियुक्ति केवल अवसर नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसका निर्वहन पूरी निष्ठा से किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अलीनगर से बीजेपी की उम्मीदवार हो सकती हैं मैथिली ठाकुर

DARBHANGA : अलीनगर विधानसभा सीट से इस बार भारतीय जनता पार्टी का दांव भारतीय से अधिक सांस्कृतिक दिख रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सुप्रसिद्ध लोकगायिका और मिथिला की पहचान मैथिली ठाकुर को अलीनगर विधानसभा से प्रत्याशी बनाए जाने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र में सियासी हलचल और चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। अलीनगर में पनडोए के भीतर लंबे समय से चली आ रही पनडोए और स्थानीय दवेदारों के बीच मतभेद के चलते पार्टी ने इस बार एक बाहरी लेकिन लोकप्रिय चेहरा मैदान ईमें उतारने की रणनीति बनाई है। मैथिली ठाकुर जैसे सांस्कृतिक प्रतीक के संभावित प्रवेश से जहां युवाओं और आम जनता में उत्साह की लहर है, वहीं कई स्थानीय दवेदारों और कार्यकर्ताओं में निराशा देखी जा रही है।

दरभंगा पुलिस की रातभर सक्रियता, सदिग्ध स्थलों पर रखी गई विशेष निगरानी

DARBHANGA : अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने और जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से दरभंगा पुलिस रविवार की रात्रि पूरी तरह सक्रिय रही। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने गश्ती अभियान चलाते हुए सदिग्ध स्थलों पर विशेष निगरानी रखी। इस दौरान थानाध्यक्षों के नेतृत्व में पुलिस बल ने बाजार क्षेत्रों, मुख्य सड़कों, चौक-चौगहों और संभावित अपराध स्थलों का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों ने देर रात तक प्रभाषीला रहकर न केवल आसामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखी, बल्कि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा भी जगाया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रात्रि गश्ती के दौरान कई सदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई तथा आवामगम पर सतर्क निगरानी रखी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि अपराधियों पर किसी भी तरह की हदिलाई नहीं बरती जाएगी। जिला पुलिस प्रशासन का कहना है कि ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे ताकि जिले में कानून-व्यवस्था पूरी तरह निर्यात बनी रहे।

सशक्तीकरण

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अच्छी पहल

राज्य में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना बन रही मिसाल

AGENCY SAHARSA : महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का लाभ लगातार जिले की महिलाओं तक पहुंच रहा है। इसी क्रम में आज सोमवार को विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्य स्तरीय समारोह का सीधा प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य की 22 लाख लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में रोजगार हेतु 10-10 हजार रुपये की दर से कुल 2100 करोड़ रुपए की राशि का

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिखाई हरी झंडी, खुद भी किया सफर

राजधानी पटना में दौड़ी मेट्रो ट्रेन

AGENCY PATNA : बिहार में मेट्रो ट्रेन चलने का इंतजार खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही बिहार को पहली मेट्रो ट्रेन की सौगात मिल गई है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को पटना मेट्रो का उद्घाटन करने के बाद खुद मेट्रो ट्रेन में बैठकर पहले सफर का अनुभव किया। उद्घाटन के दौरान मेट्रो में राज्य सरकार के कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने आज कॉरिडोर वन के तहत पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और 9.35 किलोमीटर लंबी सुरंग की आधारशिला भी रखी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा उद्घाटन के बाद मेट्रो पाटलिपुत्र आईएसबीटी के पास बने डिपो से निकली और सबसे पहले न्यू आईएसबीटी स्टेशन पहुंची। यह पटना मेट्रो का पहला स्टेशन होगा। यहां से मेट्रो जीरो माइल स्टेशन होते हुए भूतनाथ स्टेशन तक चलेगी। फिलहाल इसी तीन स्टेशनों के बीच परिचालन शुरू किया जा रहा है। पटना मेट्रो का संचालन सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक



उद्घाटन के समय पाटलिपुत्र आईएसबीटी में खड़ी ट्रेन

किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए हर 20 मिनट के अंतराल पर प्रत्येक स्टेशन पर मेट्रो उपलब्ध रहेगी। प्रतिदिन मेट्रो 40 से 42 फेरे लगाएगी। पटना मेट्रो में 3 कोच वाली रैक चलाई जाएगी, जिसकी कुल क्षमता 945 यात्रियों की है। प्रत्येक कोच में लगभग 305 यात्री सफर कर सकते हैं। एक कोच में 147 यात्री बैठकर और शेष खड़े होकर यात्रा कर सकेंगे। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए हर कोच में 12 सेंटें आरक्षित रखी गई हैं। मेट्रो फिलहाल न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से जीरो माइल होते हुए

भूतनाथ स्टेशन तक चलेगी। इसी साल इसका विस्तार खेमनीचक और मलाली पकड़ी तक की जाएगी। पूरा परिचालन शुरू होने पर तीन कोच वाली मेट्रो में प्रति ट्रेन लगभग 900 यात्री यात्रा कर सकेंगे। किराए की बात करें तो आईएसबीटी से जीरो माइल का किराया 15 रुपये, वहीं न्यू आईएसबीटी से भूतनाथ मेट्रो स्टेशन का किराया 30 रुपए तय किया गया है। यानी पटना मेट्रो का फिलहाल न्यूनतम किराया 15 रुपये और अधिकतम किराया 30 रुपये रहेगा।

1.3 करोड़ रुपये से बनेगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चपरांव का नया भवन

AGENCY SAHARSA : जिले में सिमरी बखियापुर प्रखंड क्षेत्र के कांठो पंचायत स्थित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चपरांव पिछले कई दशकों से जर्जर अवस्था में था। क्षेत्रवासियों द्वारा कई वर्षों इसके जीर्णोद्धार करने की मांग की जा रही थी। लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा था। गत वर्ष 19 दिसम्बर 2024 को पंचायत समिति सदस्य परितोष कुमार सिंह के नेतृत्व में अस्पताल के जीर्णोद्धार व बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था की मांग को लेकर आमरण अनशन किया गया था। सांसद प्रतिनिधि रितेश रंजन भी आंदोलन का हिस्सा बनकर युवा को आगे बढ़ाते हुए लगातार पहल करते रहे। उस समय खगड़िया लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजेश वर्मा द्वारा ठोस आश्वासन के बाद अनशन समाप्त हुआ था। गत दिनों राज्य सरकार द्वारा 1.30 करोड़ रुपये अस्पताल के नए भवन के लिए स्वीकृत किया



गया। जिस खुशी में पंसस परितोष सिंह के नेतृत्व में युवाओं ने आपस में मिठाई बाँटकर खुशी जाहिर करते हुए सांसद राजेश वर्मा व सांसद प्रतिनिधि रितेश रंजन के अथक प्रयास के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चपरांव की भवन नहीं रहने से करीब दस हजार की आबादी प्रभावित हो रही थी और उन्हें इलाज के लिए करीब 12 किलोमीटर दूर अनुमंडलीय अस्पताल सिमरी बखियापुर या फिर 15 किलोमीटर दूर सदर अस्पताल सहरसा जाना पड़ता था।

दवाई, सिंचाई, पढ़ाई और कार्रवाई वाली सरकार बनाएंगे तेजस्वी : संजय यादव

AGENCY BHAGALPUR : झारखंड के श्रम संसाधन मंत्री संजय यादव, बिहार सरकार बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु एवं प्रदेश युवा महासचिव रजनीश यादव ने 08 अक्टूबर को बिरनीध प्राथमिक विद्यालय गोरडीह भागलपुर में होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कहलगांव प्रखंड अंतर्गत एकचारी में सोमवार को सहैला जिला परिषद सदस्य नाजनी नाज के आवास पर प्रमुख राष्ट्रीय जनता दल कार्यकर्ताओं के साथ बैठक किया गया। इस अवसर पर झारखंड सरकार के उद्योग एवं श्रम संसाधन मंत्री संजय यादव ने कहा कि बिहार प्रतिपक्ष नेता तेजस्वी प्रसाद यादव पूरे देश में विकास करने के लिए चर्चित हैं। वह अपने 17 माह के कार्यकाल में विकास की रेखा बिहार में खींची है। तेजस्वी यादव के घोषणाएं के

13.28 करोड़ की लागत से एमआईटी मुजफ्फपुर में 200 बेड के छात्रावास का होगा निर्माण

PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुजफ्फपुर जिले के सकरा वाजिद पंचायत भवन परिसर से 1,333.29 करोड़ रुपये की लागत से कुल 22 योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत 83.32 करोड़ रुपये की लागत से 6 योजनाओं का उद्घाटन तथा 1249.97 करोड़ रुपये की लागत से 16 योजनाओं का शिलान्यास / कार्यरंभ शामिल है। इनमें 32.32 करोड़ रुपये की लागत से राज्य स्कीम के तहत मुजफ्फपुर जिला अंतर्गत पदाधिकारियों

एवं कर्मचारियों के आवास निर्माण, 26 करोड़ रुपये की लागत से एमआईटी मुजफ्फपुर में छात्र एवं छात्राओं के लिए (कुल 2 अंश) 200 बेड वाले छात्रावास का निर्माण, 13.28 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत शक्ति उपकेंद्र, वाजिदपुर, बोघां, कसमा एवं कुदनी का निर्माण, 2.32 करोड़ रुपये की लागत से बनगारी एवं कांठी (गाँवदियुर फुल्काह) में प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय का निर्माण, 4.70 करोड़ रुपये के लागत से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पश्चिमी मुजफ्फपुर का निर्माण तथा 4.70 करोड़ रुपये की लागत से महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जिला मुख्यालय, मुजफ्फपुर का निर्माण कार्य। इसके अलावा 589.05 करोड़ रुपये की लागत से मुजफ्फपुर जिला अंतर्गत गंडक नदी पर फतेहाबाद (पारू ब्लॉक) से चंलिया (सरैया ब्लॉक) तक उच्च स्तरीय पीएससी बॉक्स सेल सुपर स्ट्रक्चर मेन पुल एवं पहुंच पथ में 3 अदर पीएससी सुपर स्ट्रक्चर पुल निर्माण कार्य, 199.45 करोड़ रुपये की लागत से मुजफ्फपुर जिला अंतर्गत प्रखंड-सह-अलं कार्यालय-सह-आवासीय परिसर, कांठी, पारू, साहेंबाज, सरैया, मंतिपुर, सकरा, औराई, बोघां, मुसहरी, गायघाट, मडवन एवं बंदा के निर्माण कार्य, 184.32 करोड़ रुपये की लागत से मुजफ्फपुर जिला अंतर्गत राज्य स्कीम मद से डॉ भीमराव अंबेडकर टेन प्लस टू आवासीय विद्यालय प्रखंड सह अलं, मंतिपुर, सकरा, पारू, एवं बंदा में विद्यालय भवन (720 आसन) का निर्माण कार्य सहित अन्य कई महत्वपूर्ण विकासकार्य योजनाओं का शिलान्यास / कार्यरंभ शामिल है।



बैठक में भाग लेते झारखंड के श्रम संसाधन मंत्री संजय यादव व अन्य

बावजूद मुख्यमंत्री जो अचेत अवस्था में थे वो जग कर कुछ तेजस्वी प्रसाद यादव के पूर्व घोषणाओं को लागू कर रहे हैं। तेजस्वी यादव पढ़ाई, दवाई, सिंचाई, कार्रवाई एवं पलायन रोकने, नौजवान को रोजगार देने के लिए लगे हैं। तेजस्वी प्रसाद यादव का जनसभा के लिए कहलगांव और गोरडीह प्रखंड का दौरा कर रहे हैं। बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु ने कहा कि तेजस्वी यादव को बिहार की जनता भावी मुख्यमंत्री के रूप में देख रहे

हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार के वादा खिलाफी के लिए लगातार आंदोलन कर रहे हैं। केंद्र सरकार देश के सभी सरकारी संस्थाओं को पूंजीपतियों के हाथों बेच रही है। दो करोड़ नौकरी देने के बदले छंटनी किया जा रहा है। सभी के खाते में 15 लाख रुपए के वादे हवा हवाई रह गईं। केंद्र एवं राज्य सरकार घोषणाएं की ठपेसरेजकी सरकार है। इस अवसर पर जिला परिषद प्रतिनिधि मोहम्मद मून, पूर्व जिला पार्षद गोपाल यादव, पवन कुमार भारती, छोटी यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुंगेर के असरगंज में 2.08 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा विवाह भवन

AGENCY PATNA : बिहार में मुंगेर जिला के असरगंज में 2.08 करोड़ रुपये की लागत से विवाह भवन बनेगा। इस बात की जानकारी बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को दी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि मुंगेर जिले के असरगंज नगर पंचायत क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए कुल 2.08 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी मिल गई है। योजना के अंतर्गत विवाह भवन, जूता-चप्पल स्टैंड, बांडुड़ी वॉल, गेट तथा पेपर ब्लॉक का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना का क्रियान्वयन नगर पंचायत असरगंज, मुंगेर द्वारा ई-टेंडरिंग प्रक्रिया से कराया जाएगा। वहीं, परियोजना की गुणवत्ता, समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिला पदाधिकारी द्वारा पर्ववेक्षण



और निदेशन समय-समय पर किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि काम की जगह पर एक सूचना बोर्ड लगाया जाएगा, जिसमें इस योजना पर कितना खर्च होगा, क्या-क्या काम होगा और कब तक काम पूरा किया जाएगा। यह सब साफ-साफ लिखा रहेगा। इससे लोगों को पूरी जानकारी मिलती रहेगी और निगरानी भी आसान होगी। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं के बनने से असरगंज में सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर जगह मिलेगी, शहर की सुविधाएं सुरंगरी और सार्वजनिक स्थानों की उपलब्धता बढ़ेगी।

NEWS

BOX

चुनाव की घोषणा होने के बाद पुलिस ने किया प्लैग मार्च

AGENCY ARARIA : विधान विहार विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा चुनाव की तिथि की घोषणा करने के साथ ही आवार सहिता लागू हो गई है। निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव को लेकर जिला प्रशासन ने कम्पन कर ली है और इसी कड़ी में सोमवार को अररिया जिला पुलिस की ओर से पूरे शहर में प्लैग मार्च किया गया। प्लैग मार्च में जिला पुलिस के साथ पारा मिलिट्री फोर्स के जवान मौजूद रहे एएसपी अंजनी कुमार के निर्देश पर निकले प्लैग मार्च बस स्टैंड चांदनी चौक, महादेव चौक, काली मंदिर चौक सहित अन्य स्थानों पर गई। प्लैग मार्च का नेतृत्व सदर एसडीपीओ सुशील कुमार सहित नगर थानाध्यक्ष मनोहर कुमार रजक कर रहे थे। अररिया सहित विभिन्न इलाकों में स्थानीय थाना और ओपी पुलिस के द्वारा भी प्लैग मार्च किया गया।

चुनाव में अगर बुर्का चलेगा तो घूंघट का भी होगा प्रयोग : कृष्ण नंदन

AGENCY EAST CHAMPARAN : बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर नेताओं की बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा ने मतदान केंद्रों पर बुर्का पर बंद लगाने की मांग की थी जो अब एक राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है। मतदान केंद्रों पर बुर्का बंद की भाजपा की मांग पर विपक्षी दलों ने हमले करना शुरू कर दिया है। विपक्षी दलों को जवाब देते हुए भाजपा के विधायक और गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने भी बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर मतदान केंद्रों पर चुनाव आयोग बुर्का पर बंद नहीं लगाता है और उन्हें

मतदान केंद्र पर जाने की अनुमति मिलती है तो फिर घूंघट वाली महिलाओं को भी समान छूट मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी का बुर्का हटा कर चेहरा देखा उनके नियम के विरुद्ध है वा फिर बेइज्जती का भाव उत्पन्न करता है तो फिर घूंघट हटा कर चेहरा देखा भी उसी भाव के अंतर्गत आता है इसलिए घूंघट में महिलाओं को भी समान छूट मिलनी चाहिए।

दलित-महादलित अधिकार सम्मेलन में राजद का एकजुटता पर बल

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज के राम मनोहर लोहिया पथ स्थित राजद कार्यालय में सोमवार को राजद की ओर से दलित महादलित अधिकार सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मनोज सदा ने की। जबकि संचालन प्र.साबिर इंद्रीश ने किया। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के क्रांति कुपूर, विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व जिला

पार्षद मायानन्द ऋषिदेव, किरण भारती, अरुण यादव, प्रो.उद्यान यादव, देवेश ठाकुर, मनोज झा, लालू देव, दिलीप यादव, राजा अली समेत व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अमित पूर्ण अतिथि के रूप में मौजूद रहे। दलित महादलित अधिकार सम्मेलन में बड़ी संख्या में दलित महादलितों ने भाग लिया। वक्ताओं ने सम्मेलन में शिरकत कर रहे दलित महादलितों से एकजुटता के साथ रहने और लोकतंत्र की मजबूत नींव रखने की अपील की। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राजद नेता क्रांति कुपूर ने बिहार में राजद की सरकार बनने पर तेजस्वी प्रसाद की ओर से घोषित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजा हो या रंक सबको माताधिरा का अधिकार प्राप्त है और सबके वोट की वेल्यू एक ही होती है। इसलिए विधानसभा चुनाव में वोट के सम्य अपनने अधिकारों का सही इस्तेमाल करने की सलाह और महागठबंधन के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मनोज सदा और पूर्व जिला पार्षद किरण भारती एवं मायानन्द ऋषिदेव ने पनडोई की सरकारों में दलितों और महादलितों को सरकार के द्वारा ठगने की बात कही। सम्मेलन को लालू देव, दिलीप यादव, राजा अली, मनोज झा आदि ने भी संबोधित करते हुए बिहार में बदलाव लाने को जरूरत करार दिया।

एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग यूनिट ने चलाया जागरूकता अभियान



AGENCY EAST CHAMPARAN : एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग क्षेत्रक मुख्यालय एएसबी 47वीं वाहिनी रक्सौल, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चंपारण तथा स्वच्छ संस्था के तत्वाधान में सोमवार को कस्तूरबा बालिका उच्च विद्यालय परिसर में मानव व्यापार, बाल यौन शोषण, बाल विवाह एवं बाल श्रम की रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग इन्स्पेक्टर विकास कुमार ने की। उन्होंने बच्चियों को मानव व्यापार के खतरों पर जानकारी दी। शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दूरी बनाए। उनके झासे में न आएं। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर की जिला परिषद/योजना समन्वयक आरती कुमारी ने भी बच्चियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मानव तस्कण बहला-फुसलाकर नौकरी दिलाने के नाम पर बच्चियों की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। खासकर सोशल मीडिया के जरिए बच्चियों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। उन्होंने बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई। साथ ही बताया कि लड़कियों की शादी की उम्र 18 वर्ष और लड़कों की 21 वर्ष तय है। कम उम्र में विवाह करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने बच्चियों से कहा कि किसी भी सदिग्ध गतिविधि या घटना की सूचना तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या प्रयास संस्था हेल्पलाइन 9289692023 पर दें। वहीं स्वच्छ संस्था के अध्यक्ष रजित सिंह ने बच्चियों को प्रेरित करते हुए कहा कि माता-पिता से बड़ा कोई श्भुचितक नहीं होता। इसलिए पढ़ाई पर ध्यान दें और भाविय में कुछ बनकर दिखाए।

विधायक ने किया पौने 17 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास

AGENCY BHAGALPUR : बिहपुर विस के भाजपा विधायक सह सतरारूढ़ दल के सचेतक ई.शैलेंद्र ने सोमवार को विस क्षेत्र के नारायणपुर प्रखंड में करीब पौने 17 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। विधायक ने नारायणपुर के विभिन्न गांवों में लगभग पौने पांच करोड़ की लागत से बनने वाले 13 सड़कों में तीन में पुलिया और गाईवाल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। वहीं गनौल-मौजमा में मुख्यमंत्री सेतू योजना मद के करीब 12 करोड़ की राशि से पुल के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। यह पुल नारायणपुर प्रखंड का गंगा दिवार के बैकटपुर्, दुधैला संगेत पुरा दियाख क्षेत्र को प्रखंड मुख्यालय से जोड़ेगा। वहीं विधायक ने तेलडीहा में तीन करोड़ 68 लाख

परमान नदी का तटबंध टूट, सैकड़ों घरों में घुसा बाढ़ का पानी

ARARIA : जिले के फारबिसगंज के पिपरा में परमान नदी का तटबंध टूट गया है। जिससे नदी का पानी सैकड़ों घरों में घुसकर भारी तबाही मचा रही है। तटबंध टूटने के बाद पानी तेजी से आबादी वाले इलाकों में घुस गया। नदी का पानी पिपरा पंचायत के वाई संख्या 11, 12 और 13 के टप्पू टोला के सैकड़ों घरों में घुस गया। जिससे यह इलाका पूरी तरह जलमग्न हो गया। गांव के सैकड़ों घरों में नदी का पानी घुस जाने से लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करना पड़ रहा है। वहीं नदी का पानी सैकड़ों एकड़ खेतों में फैल जाने से खेत में लगे फसल बर्बाद हो गए हैं।

घाघ की कहावतें और सांस्कृतिक संदर्भ

देश के लोक साहित्य और ग्रामीण कृषि संस्कृति में घाघ की कहावतों का विशेष स्थान है। यह कहावतें केवल शब्द नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन, कृषि परंपरा, सामाजिक व्यवहार और पारंपरिक ज्ञान का जीवंत दर्पण हैं। इन कहावतों में जीवन के विविध पहलुओं की सूक्ष्म समझ, प्राकृतिक संकेतों और सामाजिक नियमों का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। डॉ. सत्य प्रिय पांडेय दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामलाल कॉलेज में हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और लोक साहित्य के जाने-माने विमर्शकार हैं। उन्होंने अपनी पुस्तक घाघ और उनकी कहावतें (जैविक कृषि के सूत्र) में गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया है। उन्होंने न केवल घाघ की कहावतों को उनके मूल स्वरूप में प्रस्तुत किया है, बल्कि उनके ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों की भी स्पष्ट व्याख्या की है। ऐसा लगता है कि डॉ. पांडेय का उद्देश्य केवल कहावतों का संग्रह करना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक समय की प्रासंगिकता के साथ जोड़कर ग्रामीण जीवन और भारतीय कृषि संस्कृति की गहन समझ पाठकों तक पहुंचाना है। घाघ यानी ज्यदा होशियार व्यक्ति। 17वीं शताब्दी में यह शब्द कवि, दार्शनिक और ब्राह्मण ज्योतिषी वर्णन के लिए भी इस्तेमाल होता था। इसलिए पुस्तक घाघ की कहावतें केवल खेती-किसानी तक सीमित नहीं हैं। वे जीवन, समाज, मौसम विज्ञान, पशु पालन, ज्योतिष और सामाजिक व्यवहार जैसे विविध विषयों को भी समेटती हैं। उदाहरण स्वरूप, नितै खेती दुसरे गाय, जे ना देखे तेकर जाय जैसी कहावत किसानों को सतत सतर्क रहने और मेहनत की प्रेरणा देती है। इसी प्रकार, चटका माधा सुखिया ऊसर, दूध-भात में परिया मूसर जैसी कहावतें प्रतीकात्मकता और सूक्ष्मता में अद्वितीय हैं, जो पाठक को ग्रामीण जीवन और लोक साहित्य की समृद्ध परंपरा से परिचित कराती हैं। पुस्तक में घाघ के जन्म स्थान और जीवन से जुड़ी प्रचलित किंवदंतियों का भी विवेचन है। पं. रामनेशन त्रिपाठी के शोध के आधार पर यह स्पष्ट किया गया है कि घाघ कन्नौज के निवासी थे। इससे न केवल उनकी प्रामाणिकता स्थापित होती है, बल्कि मध्यकालीन भारत में किसानों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति की भी झलक मिलती है। उस समय कर और दंड की कठोरता और किसानों की स्वावलंबन की भावना घाघ की कहावतों की मूल प्रासंगिकता को उजागर करती है। यह ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पाठक को ग्रामीण जीवन की कठिनायियों और लोक बुद्धि की प्रखरता दोनों से परिचित कराता है। घाघ की कहावतें केवल अनुभवजन्य नहीं, बल्कि कृषि और मौसम के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, जब हथिया पूंछ डुलाये, तब घर में गेहूं आवै जैसी कहावतें वर्षा और नक्षत्रों के आधार पर फसल की पैदावार का अनुमान देती हैं। यह बताता है कि प्राचीन भारतीय कृषि ज्ञान कितनी व्यावहारिक और वैज्ञानिक था, जब आधुनिक मौसम विज्ञान के यंत्र उपलब्ध नहीं थे। इन कहावतों में फसल, पशुपालन, जल प्रबंधन और सामाजिक रीति-रिवाजों का समन्वय स्पष्ट दिखाई देता है, जो ग्रामीण जीवन की सूक्ष्म समझ को प्रकट करता है। भाषाई दृष्टि से, घाघ की कहावतें सरल, सहज और प्रतीकात्मक हैं। डॉ. पांडेय ने इसे बरकरार रखते हुए कहावतों को उनके मूल स्वरूप में प्रस्तुत किया है और उनके अर्थ और सांस्कृतिक संदर्भ को भी स्पष्ट किया है। यह भाषाई सौंदर्य न केवल ग्रामीण जीवन की आत्मा को जीवंत करता है, बल्कि लोक साहित्य की समृद्ध परंपरा को भी संरक्षित करता है। आज के संदर्भ में, जब किसान कर्ज, प्राकृतिक आपदाओं और नीतिगत उपेक्षा का सामना कर रहे हैं, घाघ की कहावतें पुनः प्रासंगिक हो जाती हैं। लेखक ने स्पष्ट किया है कि पारंपरिक ज्ञान न केवल खेती की तकनीकी जानकारी देता है, बल्कि किसानों में धैर्य, सतर्कता और स्वावलंबन की भावना को भी प्रेरित करता है। यह पुस्तक यह संदेश देती है कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक के समन्वय से भारतीय कृषि को सशक्त बनाया जा सकता है। पुस्तक का प्रमुख आकर्षण इसका व्यापक दृष्टिकोण है। इसे विद्वानों और सामान्य पाठकों दोनों के लिए उपयोगी बनाया गया है। खेती को केवल आजीविका के साधन के रूप में न देखकर इसे एक सम्मानित कर्म और स्वाधीनता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना इस पुस्तक की विशेषता है। यह दृष्टिकोण वैदिक काल से लेकर आज तक भारतीय कृषि संस्कृति की निरंतरता को उजागर करता है। कहावतों का विश्लेषण इस तरह किया गया है कि यह पाठक को ग्रामीण जीवन की गहन समझ, लोक बुद्धि की प्रखरता और पारंपरिक ज्ञान की वैज्ञानिकता से अवगत कराता है। किसी भी फसल के लिए सही समय पर खेती करने की सलाह, पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी संकेत, सामाजिक और धार्मिक प्रथाओं का ज्ञान, और जीवन के व्यवहारिक दृष्टांत सब कुछ इन कहावतों में समाहित हैं। इस प्रकार, यह पुस्तक न केवल किसानों के लिए उपयोगी है, बल्कि शोधकर्ताओं, साहित्य प्रेमियों और नीति निर्माताओं के लिए भी अत्यंत मूल्यवान संसाधन है। यह पुस्तक स्पष्ट कराती है कि पारंपरिक ज्ञान आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना पहले था। आधुनिक भारत में खेती-किसानी की चुनौतियों का सामना करने के लिए इस पुस्तक में प्रस्तुत मार्गदर्शन अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। यह किसानों को उनके मेहनत और धैर्य के लिए प्रेरित कराती है, साहित्य प्रेमियों को लोककला के सौंदर्य से परिचित कराती है और नीति निर्माताओं को पारंपरिक ज्ञान के महत्व को समझने के लिए मार्गदर्शन देती है। यह पुस्तक हमारी सांस्कृतिक और कृषि धरोहर को समझने और उसका सम्मान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। पाठक को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि अपनी जड़ों से जोड़कर भाविक के लिए प्रेरणा भी देती है।

ANALYSIS



डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कहना होगा कि विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना या विरोध प्रदर्शन करना भर नहीं है। इसके पीछे संवैधानिक जिम्मेदारी निहित है कि वह जनता की आवाज बने, लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सजग रहे और संसद में सरकार के फैसलों पर टोस बहस करे। राहुल गांधी ने हालिया कर्नाटक विधानसभा चुनावों के संदर्भ में जब यह आरोप लगाया कि चुनाव आयोग में भेदियों की भरमार है और लोकतंत्र खतरे में है, तब यह अपेक्षा की जाती थी कि वे इस मुद्दे को कानूनी और संवैधानिक रास्तों से उठाएंगे, किंतु न्यायालय या चुनाव आयोग का रुख न अपनाकर उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि लोकतंत्र बचाना उनका काम नहीं है और उनका काम केवल सरकार पर दबाव डालना है। क्या उनका यह दृष्टिकोण सही है उन्हें न सही, कांग्रेस पार्टी के अन्य नेताओं को भी नहीं लगता कि राहुल की ये सोच राजनीतिक दृष्टि से संकीर्ण होने के साथ ही संवैधानिक सजगता की कमी भी उजागर करती है।

भारतीय लोकतंत्र को लेकर हाल ही में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का यह कहना कि लोकतंत्र बचाना मेरा काम नहीं, पूरे राजनीतिक विमर्श में हलचल पैदा कर गया है। यह बयान केवल विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहनेवाला नहीं है, यह आज आम नागरिकों के मन में भी गहरे सवाल छोड़ता है। लोकतंत्र केवल चुनाव लड़ने और सरकार बनाने की प्रक्रिया नहीं है, यह एक सतत जिम्मेदारी है, जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों बराबर भागीदार होते हैं। यदि विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा ही यह कह दे कि लोकतंत्र को बचाना उसका काम नहीं, तो यह न केवल उसकी भूमिका पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे की गंभीरता पर भी संदेह पैदा करता है। कहना होगा कि विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना या विरोध प्रदर्शन करना भर नहीं है। इसके पीछे संवैधानिक जिम्मेदारी निहित है कि वह जनता की आवाज बने, लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सजग रहे और संसद में सरकार के फैसलों पर टोस बहस करे। राहुल गांधी ने हालिया कर्नाटक विधानसभा चुनावों के संदर्भ में जब यह आरोप लगाया कि चुनाव आयोग में भेदियों की भरमार है और लोकतंत्र खतरे में है, तब यह अपेक्षा की जाती थी कि वे इस मुद्दे को कानूनी और संवैधानिक रास्तों से उठाएंगे, किंतु न्यायालय या चुनाव आयोग का रुख न अपनाकर उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि लोकतंत्र बचाना उनका काम नहीं है और उनका काम केवल सरकार पर दबाव डालना है। क्या उनका यह दृष्टिकोण सही है उन्हें न सही, कांग्रेस पार्टी के अन्य नेताओं को



भी नहीं लगता कि राहुल की ये सोच राजनीतिक दृष्टि से संकीर्ण होने के साथ ही संवैधानिक सजगता की कमी भी उजागर करती है। भारतीय लोकतंत्र के आपातकाल के दौर को देखिए। इंदिरा गांधी की सत्ता के विरुद्ध जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी और अन्य विपक्षी नेताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए जो संघर्ष किया, उसने लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को और गहरा किया। अटल बिहारी वाजपेयी, सुषमा स्वराज जब विपक्ष में थे, तब वे अपनी तेजतर्रार आलोचना और गंभीर बहसों के लिए जाने जाते थे। वे सत्ता से असहमत रखते हुए भी लोकतंत्र की गरिमा को कभी कम नहीं करते थे। लेकिन, आज राहुल गांधी क्या कर रहे हैं। वास्तव में यही अपेक्षा नेता प्रतिपक्ष से है कि वे लोकतंत्र को न केवल भाषणों में, बल्कि अपने आचरण से भी मजबूत करें। राहुल गांधी की राजनीतिक शैली में अक्सर यह देखने को मिला है कि वे संसद से अधिक सड़क पर सक्रिय रहते हैं। वे बेरोजगारी, महंगाई, किसानों और युवाओं के मुद्दों को

बार-बार उठाते हैं, लेकिन इन मुद्दों पर वैकल्पिक दृष्टिकोण या ठोस नीति पेश करने से चूक जाते हैं, जबकि नेता प्रतिपक्ष का पद केवल आलोचना नहीं, बल्कि विकल्प प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी भी मांगता है। इस पृष्ठभूमि में उनका यह कहना कि लोकतंत्र बचाना उनका काम नहीं, उनकी राजनीतिक गंभीरता को और कमजोर करता है। क्या उन्हें ये भान नहीं होना चाहिए कि लोकतंत्र कोई स्वतः जीवित रहने वाली व्यवस्था नहीं है। यह निरंतर सजगता, संघर्ष और संस्थागत मजबूती से चलता है। न्यायपालिका, मीडिया और जनता के साथ-साथ विपक्ष इसका अभिन्न हिस्सा है। जब विपक्ष का सबसे बड़ा नेता यह जिम्मेदारी अपने कंधों से उतार देता है और उसे युवाओं या जनता पर डाल देता है, तो लोकतंत्र के प्रहरी की जगह खाली हो जाती है। राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा कि देश के युवा और जनरेशन-जेड लोकतंत्र बचाएंगे। निस्संदेह युवा किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं, लेकिन क्या केवल युवाओं पर यह जिम्मेदारी डालकर नेता

प्रतिपक्ष स्वयं को मुक्त कर सकते हैं। नेता का काम युवाओं को नेतृत्व देना है, उन्हें दिशा दिखाना है, न कि अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटकर उन्हें सत्ता से लड़ने-भिड़ाने के लिए छोड़ देना। उनके इस बयान के बाद यदि भारतीय जनता पार्टी और सत्ता पक्ष ये कहें कि कांग्रेस देश को अस्थिर करना चाहती है और भारत को नेपाल या बांग्लादेश जैसी स्थिति में ले जाना चाहती है, तो वे क्या गलत कह रहे हैं। यह आरोप राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा भर नहीं है। आज आम जनता के मन में भी यह सवाल उठने लगा है कि यदि विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा ही लोकतंत्र की रक्षा को अपना काम नहीं मानता, तो फिर लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी किस पर है। यह सच है कि लोकतंत्र में सत्ता का दायित्व है कि वह नीति बनाए और उसे लागू करे, किंतु इसके साथ विपक्ष का दायित्व भी यहां तक है, वह यह कि सरकार के कामकाज को परखे, गलतियों की ओर ध्यान दिलाए और जनता को सही जानकारी दे। यदि विपक्ष केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तक

सीमित हो जाए और रचनात्मक भूमिका न निभाए, तो लोकतंत्र का संतुलन टूटता है। आज राहुल गांधी का हालिया बयान इसी टूटते हुए संतुलन की चिंता को और गहरा कर रहा है। राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि विपक्ष का नेता होने के नाते उन्हें न केवल सरकार की आलोचना करनी है, बल्कि इससे कहीं अधिक देश के विकास से संबंधित ठोस समाधान भी प्रस्तुत करना हैं, क्योंकि लोकतंत्र की रक्षा केवल राजनीतिक नारे तक ही नहीं है, वह संवैधानिक और नैतिक दायित्व है, जिसे टाला नहीं जा सकता। इसलिए लोकतंत्र को बचाना सभी नागरिकों का काम है, लेकिन उसे कहीं अधिक देश और जनता को यह विश्वास दिलाना कि उसकी आवाज सुनी जा रही है, वह काम सबसे पहले विपक्ष के नेता का ही होता है। राहुल गांधी का हालिया बयान इस जिम्मेदारी से भागने वाला नजर आ रहा है। अब यह उन्हीं पर है कि वे अपने आचरण और दृष्टिकोण से यह साबित करें कि वे न केवल एक आलोचक हैं, बल्कि लोकतंत्र के संरक्षक भी हैं।

भू-धंसान से खतरे में नैनीताल का माल रोड

कुछ दिन पहले नैनीताल का प्रसिद्ध माल रोड की सहायक सड़क निचली माल रोड का एक बड़ा हिस्सा झील की ओर धंस गया है। कई मीटर लंबे हिस्से में दरारें आ गई हैं। निचले माल रोड में हुए भू-धंसान के चलते इस हिस्से से लगा मुख्य मालरोड की सुरक्षा को लेकर भी आशंकाएं व्यक्त की जाने लगी हैं। सुरक्षा के मद्देनजर लोअर माल रोड के प्रभावित हिस्से में वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी लगा दी गई है। विशेषज्ञ संस्थानों की सलाह -मशविरे के आधार पर लोक निर्माण विभाग (लोनिव) प्रभावित हिस्से के स्थायी सुरक्षा प्रबंध में जुट गया है। ज्ञातव्य है कि 2018 में भी इस क्षेत्र का करीब 25 मीटर लंबा हिस्सा झील की ओर धंस गया था। लोक निर्माण विभाग ने लाखों रुपये खर्च कर क्षतिग्रस्त हिस्से में नई सुरक्षा दीवार बनाई थी, जो अल्पजीवी साबित हुई। नैनीताल का निचला माल रोड ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेजों द्वारा झील

के चारों ओर बनाई गई पत्थरों की दीवार पर टिकी हुई है। ब्रिटिश शासनकाल में इस सड़क का उपयोग सामान होने वाले कुलियों के लिए किया जाता था। कुलियों द्वारा ढोई जाने वाली सामग्री मुख्य माल रोड में हवाखोरी करने वालों से टकरा न जाए, इससे बचने के लिए अंग्रेजों ने यह व्यवस्था बनाई थी। तब बोझ के साथ कोई भी कुली मुख्य माल रोड पर नहीं चल सकता था। नैनीताल के माल रोड का ग्रांड होटल से पुस्तकालय तक का हिस्सा भू-धंसान के लिहाज से प्रारंभिक काल से ही संवेदनशील रहा है। इस क्षेत्र में जमीन के धंसने और दरारें आने का इतिहास बहुत पुराना है। 1889 में झील के पूर्वी छोर में अवस्थित तबके हैरिस होटल के पास एक छोटा भू-स्खलन हुआ था। इस भू-स्खलन की जांच भारतीय भू-गर्भ सर्वेक्षण के तत्कालीन उपाधीक्षक आर.डी. ओल्डहैम ने की थी। इस बारे में ओल्डहैम ने 21 सितंबर 1889 को अपनी जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। 26 जनवरी

1895 को कुमाऊं के तत्कालीन कमिश्नर लेफ्टिनेंट कर्नल ईर्स्ट ग्रीज ने अपने मुआयने के दौरान ग्रांड होटल से इलाहाबाद बैंक परिसर (उन दिनों इलाहाबाद बैंक माल रोड में था) में दरारें देखने की बात कही थी। 16 फरवरी 1895 को पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन अधिशासी अभियंता कर्नल फुलफोर्ड ने मालरोड में आई दरारों का मुआयना कर इस संबंध में चीफ इंजीनियर को रिपोर्ट भेजी थी। माल रोड में आई इन दरारों के मद्देनजर सरकार ने 24 मार्च 1895 को मिडिल माल रोड का निर्माण कार्य रोक दिया था। 1895 में ग्रांड होटल एवं बैंक हाउस के पीछे स्थित दीवारों में दरारें आईं। सरकार ने भू-वैज्ञानिक मिस्टर गिल्स से इन दरारों के कारणों की जांच कराई थी। 1916 में इलाहाबाद बैंक की दीवार ढह गई थी। 1921 में बैंक हाउस के पास पहाड़ी धंसी। जिस दौर में माल रोड में भू-धंसान की ये घटनाएं घटीं, तब माल रोड सहित संपूर्ण नैनीताल यांत्रिक यातायात से

बिल्कुल अछूता था। आज जबकि नैनीताल में इंसानों के साथ दोपहिया और चौपहिया वाहनों का भी रेला उमड़ने लगा है। इंसानों और वाहनों की बेताहाशा भीड़ के चलते नगर की सांसें थम सी गई हैं। लोअर माल रोड एवं मुख्य माल रोड सहित नगर की सभी सड़कें-गलियां अपनी क्षमता से कई गुना अधिक वाहनों का बोझ ढो रही हैं। नगर का हरेक कोना और पैदल रास्ते गाड़ियों से पट गए हैं। वाहनों की बेताहाशा भीड़ से पैदल आवागमन भी बाधित हो रहा है। सुंदर प्राकृतिक झील, अनुपम सौंदर्य और स्वास्थ्यवर्धक जलवायु के मद्देनजर 182 वर्ष पूर्व अंग्रेजों ने नैनीताल नगर की बसावट शुरू की थी। औपनिवेशिक शासक नैनीताल की तुलना यूरोपीय देशों से करते थे। नैनीताल का स्वच्छ और शुद्ध वातावरण एवं आबोहवावा को अच्छे स्वास्थ्य के लिए आदर्श माना जाता था। अंग्रेजी शासनकाल में नैनीताल को केंद्री रिट्रीट कहा जाता था। अंग्रेज यहां

के पारिस्थितिक एवं पर्यावरण का विशेष खयाल रखते थे। तब नैनीताल की सुंदरता, शांति और सुरक्षा, विश्व विख्यात थी। आज ये सभी खतरे में हैं। नैनीताल की बसावट के प्रारंभिक चरण में यहां आने-जाने के पैदल या घोड़ा-डांडी अकेले साधन थे। 24 अक्टूबर 1884 को काठगोदाम रेल यातायात से जुड़ गया। इससे पहले नैनीताल नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसिज आगरा एंड अवध की ट्रिप्सकालीन राजधानी बन गया था। तब नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसिज के सर्वशक्तिमान ओहदेदार लेफ्टिनेंट गवर्नर, प्रांत के आला अधिकारी समेत सभी कारकून काठगोदाम से छोड़े की सवारी अथवा पैदल नैनीताल आया करते थे। कालांतर में ब्रेवरी तक तांगे आने लगे। ब्रेवरी से घोड़ों में बैठकर अथवा पैदल नैनीताल आया जा सकता था। 1893 में नैनीताल तक तांगे पहुंच गए थे। अविभाजित भारत के सबसे बड़े ओहदेदार वॉयसरॉय, नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसिज के लेफ्टिनेंट गवर्नर, सेना और

प्रशासन के आला अफसरान तांगों में बैठकर नैनीताल आते थे। नैनीताल की बसावट के करीब सात दशक बाद 1915 में यहां मोटर सड़क पहुंची। तब तक नैनीताल विश्व मानचित्र में अपना विशिष्ट स्थान बना चुका था। मोटर मार्ग बनने के बाद काठगोदाम से नैनीताल तक मोटर लॉरी चलने लगी थी। नैनीताल मोटर ट्रांसपोर्ट कंपनी मोटर लॉरियों का संचालन करती थी। मोटर लॉरी तत्कालीन तक ही आ सकती थी। 1925 तक नैनीताल मोटर ट्रांसपोर्ट कंपनी के पास 88 लॉरियां थीं। नैनीताल के लचले एवं भंगुर पर्यावरण और स्थानीय विशिष्टाओं के मद्देनजर नगर के भीतर यांत्रिक यातायात नहीं था। डांडी, घोड़े और हाथ रिक्शा ही यातायात के एकमात्र मुख्य साधन थे। लेफ्टिनेंट गवर्नर समेत सभी अंग्रेज हुक्मरान और उनके परिजन नगर के भीतर हाथ रिक्शा और घोड़ों की सवारी किया करते थे। माल रोड और नगर के भीतरी हिस्सों में साइकिल चलाने पर भी सख्त पाबंदी थी।

Social Media Corner

सच के हक में...

हमारे पैरा-एथलीटों का ऐतिहासिक प्रदर्शन। इस साल की विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप बेहद ख़ास रही। भारतीय दल ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 6 स्वर्ण पदकों सहित 22 पदक जीते। हमारे एथलीटों को बधाई। उनकी सफलता कई लोगों को प्रेरित करेगी। मुझे अपने दल के प्रत्येक सदस्य पर गर्व है और मैं उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। दिल्ली में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना भी भारत के लिए सम्मान की बात रही है। इस टूर्नामेंट का हिस्सा रहे लगभग 100 देशों के एथलीटों और सहयोगी स्टाफ का आभार।



(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

पश्चिम बंगाल और सिक्किम के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण कई लोगों की मौत और कई अन्य के लापता होने की खबर बेहद दुखद है। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनशील व्यक्त करता हूँ और लापता लोगों के जल्द से जल्द सुरक्षित मिलने की आशा करता हूँ। प्रशासन से अपील है कि राहत और बचाव कार्यों में और तेजी लाई जाए। केंद्र सरकार से आग्रह है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभावित राज्यों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराए। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से अनुरोध करता हूँ कि प्रशासन का सहयोग और प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करें।



(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

भारत की चिंता बढ़ाने वाला समझौता

खुद को एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न मुस्लिम राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करने वाले पाकिस्तान ने गत 17 सितंबर को सऊदी अरब के साथ एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते यानी एफडीएमए पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी वह प्रतिबद्धता है कि दोनों में से किसी भी देश पर हुआ हमला दोनों देशों पर आक्रमण माना जाएगा। इस समझौते की प्रकृति को देखा जाए तो यह नाटो जैसा सामरिक गठबंधन है। माना जा रहा है कि खाड़ी देशों के लिए सुरक्षा से जुड़े जोखिम और इजरायल के खतरे ने सऊदी अरब को इस दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया तो पाकिस्तान का ऐसा कोई भी सोच हमेशा भारत केद्विंद होता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद वह अपने समीकरण नए सिरे से तय करने में जुटा है और यह समझौता भी उसी रणनीति का हिस्सा लगता है। चूंकि बीते कुछ अरसे से भारत ने सऊदी अरब के साथ संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में काफी कुछ निवेश किया है, इसलिए इस समझौते के निहितार्थों को समझना आवश्यक है। सऊदी पाकिस्तान के संबंधों की जड़ें बहुत गहरी और पुरानी हैं। यहां तक कि पाकिस्तान निर्माण के पहले से ही सऊदी अरब ने एक तरह से उसका समर्थन शुरू कर दिया था। प्रिंस फैसल ने 1946 में संयुक्त राष्ट्र के मंच पर मुस्लिम लीग की पाकिस्तान परियोजना की पैरवी की थी। सऊदी

अरब पाकिस्तान को संप्रभु देश की मान्यता देने वाले शुरूआती देशों में से एक था। सऊदी अरब के प्रिंस सुलतान ने तो 1960 के दौरान यह तक कहा कि पाकिस्तान हमारा सबसे परम मित्र है और हमें जब भी शैस्य मदद की आवश्यकता होती है तो उस पर ही सबसे अधिक भरोसा रहता है। दोनों देशों के सामरिक रिश्तों में इजरायल भी एक पहलू रहा है। उनके बीच पहले औपचारिक रक्षा समझौते की बात करें तो यह 1967 में हुआ। इसमें पाकिस्तान के सैन्य सलाहकारों ने सऊदी सशस्त्र बलों के विस्तार और आधुनिकीकरण में मदद की। सऊदी अरब ने पाकिस्तान से मिली इस मदद का मोल भारत के खिलाफ युद्धों में पाकिस्तान को समर्थन के रूप में चुकाया। भारत के लिए महत्वपूर्ण कश्मीर मुद्दे पर सऊदी अरब पाकिस्तान के पीछे खड़ा रहा। 1965 के युद्ध के दौरान सऊदी ने पाकिस्तान को न केवल विभिन्न प्रकार की सामग्रियां उपलब्ध कराईं, बल्कि कूटनीतिक आड़ और हरसंभव सहयोग दिया। 1971 के युद्ध और बांग्लादेश संकट के दौरान भी उसका यही रवैया दिखा। उस दौरान सऊदी राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत की कार्रवाइयों को निशाना बनाते हुए कहा था कि पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में कोई भी बाहरी हस्तक्षेप ग्राउन चार्टर का उल्लंघन होगा। बांग्लादेश निर्माण के बाद भी सऊदी ने उसे मान्यता देने में हिचक ही दिखाई और पाकिस्तान

के रुख की प्रतीक्षा करता रहा। कश्मीर में पाकिस्तान की नापाक हरकतों के बावजूद सऊदी मौन रहा और उदते भारत पर शांतिपूर्ण समाधान के लिए दबाव बनाता रहा। हालांकि अनुच्छेद 370 की समाप्ति के समय जरूर सऊदी अरब ने कुछ तटस्थ रुख अपनाया। इसमें भारत की बढ़ते आर्थिक कद को भी भूमिका रही, जिसका लाभ सऊदी भी उठा रहा है। पाकिस्तान के लिए तो सऊदी के साथ हुआ हालिया समझौता अंधे के हाथ बटेर लगने जैसा है। बेहद मुश्किल आर्थिक हालात से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी से मिलने वाली वित्तीय सहायता बड़ी राहत देगी। मुस्लिम जगत से जुड़े भू-राजनीतिक ढांचे में भी वह अपना कद बढ़ाने के प्रयास करेगा। इसके अलावा अपने सदाबहार दोस्त चीन और खाड़ी देशों के बीच बिचौलिये की भूमिका में भी काम करता हुआ दिख सकता है। हालांकि इस समझौते में कई बिंदु स्पष्ट नहीं हैं। जैसे क्या सऊदी को पाकिस्तान के परमाणु कचरा का भी सहारा मिलेगा। इसकी न तो पुष्टि की गई है और न ही खंडन। संभव है कि इसके पीछे अपना खुद का बम बनाने की सऊदी महत्वाकांक्षाओं का भी पेंच जुड़ा हो, ताकि वह क्षेत्र में अपना वर्चस्व बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़े। सऊदी अरब के लिहाज से यह एकदम स्पष्ट है कि उसकी मंशा ईरान और इजरायल के खिलाफ अपनी ढाल और मजबूत करना है।

Peanuts, priorities, and the flow of time

Not long ago, I had a conversation with a CEO who, somewhere between checking his phone and adjusting his tie, declared: "I just don't have time to pursue what I really want." It was a very solemn moment. Almost moving. Had it not been for the fact that, during our 20-minute chat, he checked his phone 17 times. That's once every 45 seconds—20 if you subtract the part where he closed his eyes and said "Mmm" to pretend he was listening. This obsession with being busy—without actually being productive—reminds me of college, where my friends and I had a word for such behaviour: time-pass. Imagine this: a group of half-asleep students, munching peanuts from a paper cone, producing a small hill of peanut shells while the lecture droned on in the background. The goal wasn't learning, the goal was killing time. In truth, time wasn't dying. We were. Slowly, but with excellent dental, rather than mental, exercise. Here's the uncomfortable truth: time is not some magical commodity you can stockpile in your cupboard like noodle packets during a lockdown. Time is simply thought flow—a stream of ideas and intentions floating through your mind like a lazy river. When that flow is directed toward something meaningful, you feel like you've got all the time in the world. When it's derailed by distractions—texts, notifications, or the sudden urge to Google "How tall is Shah Rukh Khan?"—you've just built yourself a mountain of empty peanut shells. The problem isn't that we don't have enough time. The problem is that we scatter our attention as if it were confetti at a birthday party. Take exercise, for instance. Everyone intends to work out, but it requires



channelling at least 20 minutes of uninterrupted thought flow. That's when temptation knocks. Netflix releases a new series, Instagram shows you a cat video, and your fridge suddenly becomes more attractive than your treadmill. Before you know it, the only running you've done is running out of excuses.

So here's my modest challenge: pick three goals for the week. Just three. Not 15, not 37 scribbled in your planner, each waiting to die of neglect. Guard these three goals as if they were the last peanuts in your paper cone. If you can do this, time won't pass you by; it will conspire with you to make success inevitable. If you don't choose your peanuts, someone else will. Your boss will. Your inbox will. Your aunt, who sends inspirational reels at midnight, will. And soon, you'll be living a life filled with peanut shells, wondering where all your actual peanuts went. The CEO eventually admitted he spends hours late at night reading emails that could wait till morning. "But what if I miss something?" he said. I wanted to tell him: You're already missing everything. Your child's bedtime story. The possibility of sleep. The opportunity to not know how tall Shah Rukh Khan is. (But in case you're wondering, he's 5 ft 8.) Success, then, is not about doing more; it is about doing what matters most. So, the next time you find yourself unlocking your phone for the 17th time in 20 minutes, ask yourself this:

THE painful saga of Harjit Kaur's September 22 deportation from the US represents a disdainful contempt for international humanitarian conscience and the law encoded in several binding international treaties, to which the US is a party. Notwithstanding the right of a sovereign nation to deport undocumented migrants, respect for international human rights demands deporting procedures consistent with the deportee's right to dignity, that has received universal recognition as the foremost human right in the hierarchy of rights. That she had no legal right under American law to insist on her stay in the US could not be a ground to deny her the minimal human rights that inhere in her by virtue of her humanity.

The mode and manner of deportation of 'Bibiji' — as 73-year-old Harjit Kaur was respectfully known amongst the Indian diaspora at Hercules in the San Francisco Bay area, her home for the last 33 years — interrogate American pretensions to leadership for the global advancement of human rights and democracy. The memory of the inhuman treatment meted out by the US Immigration and Customs Enforcement (ICE) agency to a vulnerable and elderly woman will remain a crippling burden on the conscience of the Americans. It will endure as a permanent censure of their government's duplicity in the observance of internationally accepted human rights norms. Arrested, when summoned for routine immigration investigation, Harjit Kaur was handcuffed and her legs chained. She was reportedly denied medicines for migraine, blood pressure and knee pain, and also vegetarian food. She was made to sleep on an 'aluminium foil' in cold weather she could not bear, and was even denied water. Removed from her family and friends, today she is left homeless and helpless in the absence of her immediate family. She has been made to suffer the worst form of emotional torture and now stares at an unending uncertainty about her future. The soul-scarring indignities inflicted upon an elderly lady will be etched in her consciousness as a bullet inside an open wound, unable to heal.

The case raises larger issues of profound importance concerning the evolution of democratic societies and raises several questions. Can we truly claim to have established binding legal norms that interdict the abuse of state power? Have the humanitarian norms been embedded in the consciousness of nation states charged with the duty to obey their injunctions? Is it time to admit a retreat of the human rights movement and to rededicate ourselves to its robust revival? Can the majesty of law be advanced through its tortious implementation that frustrates substantive justice anchored in compassion, proportionality and fairness? Can we divorce the fulfilment of the ends of law from the norms of its enforcement? What does this deportation mean for the relevance and legitimacy of several international conventions against inhuman treatment of persons in custody? Have the Universal Declaration of Human

Harjit Kaur's deportation exposes US hypocrisy



Rights (1948), International Covenant on Civil and Political Rights (1976), the United Nations General Assembly's New York Declaration for Refugees and Migrants (2016) and several other treaties achieved their objectives or have they become impotent in the face of police power fuelled by politics? As for India, we must ask ourselves whether a 'Viksit Bharat' aspiring to be the 'Vishwaguru' on the basis of its soft power has asserted itself sufficiently to burnish its credentials as a defender of human dignity and protector of the esteem of its citizens. We also need to define for ourselves the extent to which 'strategic self-restraint' in relation to other nations must limit our capacity to act in furtherance of our constitutional goals, the advancement of which is the avowed objective of our foreign policy.

The situation merits recall of German philosopher Goethe's wisdom: "And what is man — that boasted demigod? Do not his powers fail when he most requires their use?"

India must not only proclaim its soft power but also unmistakably assert it in the world's diplomatic chanceries, so that it is seen to act upon the principles that define the republic. After all, the willingness of nations to walk the talk defines their distinction. As we celebrate the 156th birth anniversary of the Father of the Nation, we must repurpose our politics and policies to unequivocally protest oppression and abuse of power anywhere and everywhere in the world. The nation's history and its song

of resurgence inspired by opposition to the prostitution of power must remain a perennial inspiration. The humiliation and diminishing of Harjit Kaur have evoked a sense of outrage and despair captured in the immortal and unforgettable verse of the celebrated poet Majaz Lakhnavi: "Le ke ik Changez ke hathon se khanjar, torh dun taj par us ke damakta hai jo patthar torh dun/ Koi torhe ya na torhe, main hi barh kar torh dun/ Ai gham-e-dil kya karun, ai wahasat-e-dil kya karun!" (Break the sword of the tyrant and the jewel in his crown and thus his arrogance, even if no one else does the same... Oh! my sorrowful heart, what alas should I do...)

The agony of Harjit Kaur, shared by the nation, has rightfully led to a protest by a proud nation. This should remind the hegemon and those drunk on power that oppression in any form carries within itself the oppressor's ultimate condemnation. In these challenging times the nation's duty to remain true to its civilisational ideals is on test. And the choices we make must be informed by the enduring lesson of history that passivity in the face of injustice perpetuates the wrong and weakens the moral foundation of democratic power.

Kaur's deportation, a brazen abuse of American police power in defiance of all norms of civility, must spur us to abjure the convenience of ambivalence and reject indifference to humanitarianism, lest we retreat from the foundational premise of democracy.

Sir Creek no longer pesky dispute, prepare for double trouble

Islamabad is again asserting claims over the creek despite India's clear legal and historical position supported by midchannel markers and international principles.

As India resumes direct flights to China after a five-year freeze, a far more urgent challenge is emerging on its western flank. The long-dormant Sir Creek dispute with Pakistan has flared again—this time, with far more serious implications. What was once dismissed as a dispute over a 96-km stretch of uninhabited marshland now risks becoming a flashpoint for confrontation—should Pakistan choose provocation, emboldened by the prospect of Chinese backing, or its own ballooning military bravado. Islamabad is again asserting claims over the creek despite India's clear legal and historical position supported by midchannel markers and international principles. However, this should not be seen as a cartographic quarrel. Pakistan has begun expanding military infrastructure in the area—a familiar playbook of creeping escalation. What makes this moment more dangerous is the deepening convergence between Pakistani adventurism and Chinese military enablement. Over four-fifths of Pakistan's arsenal comes from China. From HQ-9 and HQ-16 surface-to-air missile systems to JY27A radars and Wing Loong drones, China is



not just arming Pakistan but actively shaping its battlefield posture, too. Even though many of these systems failed to perform during the May 2025 clashes—jammed radars, downed drones, breached air defences—Pakistan has not recalibrated. Instead, it has doubled down, procuring even more advanced Chinese systems, including microwave

weapons and airborne early warning aircraft. In June, Pakistan announced that China had offered to sell it a new arsenal of cutting-edge weaponry, including 40 of its latest fifth-generation J-35 stealth fighters and advanced ballistic missile defence systems. The larger concern is strategic. In a future conflict, it is not unthinkable for the Chinese army to play a vital role in managing escalation and trying to keep hostilities below the nuclear threshold—on terms that favour China.

With Field Marshal Asim Munir now the single point of military authority in Pakistan, decisions are expected to be faster. Sir Creek is no longer a peripheral irritant; it could well become a trigger for a two-front conflict. India cannot afford to be caught underprepared. The air force needs to induct 35-40 jets annually to meet its operational needs.

Indigenous production, AI integration, and battlefield automation must move at war footing; Hindustan Aeronautics must pick up pace in delivering on long-gestating projects. The flights to China will resume—but complacency must not.

The eternal legacy of Dame Jane Goodall

Dame Jane Goodall's entire life was taken up by the most difficult job in the world — understanding and protecting the wildernesses and wild denizens of Planet Earth

Jane Goodall has been a hero of mine for as long as I can remember. Gentle in her ways, I have never known a tougher, softer, more charismatic person whose entire life was taken up by the most difficult job in the world — understanding and protecting the wildernesses and wild denizens of Planet Earth. Jane's life story is well known. Possibly one of the most recognised and respected scientists of our age, she started out in her early 20s as a young girl with stars in her eyes, no formal training, plus a burning desire to experience Africa. An invitation to visit Kenya (chaperoned by her mother) turned out to be her ticket to the world she had dreamed of since childhood. Seeking out the legendary anthropologist, Louis Leakey, Jane convinced him to offer her a job as his secretary. Soon, recognising a special spark in her, Leakey entrusted her with the task of studying chimpanzees at his research station in Gombe in 1960. Like an iron filing to a powerful magnet, Jane immersed herself in the deep forests of Africa. Her childhood dream of living close to animals in their own habitat had come true. Leakey positioned her in Gombe, close to Lake Tanganyika, where under his watchful eye, chimpanzees became her life.

Careful to keep her distance to avoid impacting their behaviour, one particular chimp, christened David Graybeard by her, seemed as interested in Jane as she was in him and allowed her to approach closer as he went on nonchalantly with his own life. Fascinated, time and again she watched him purposefully insert grass stems into termite mounds to 'fish' for termites that he would gorge on. "Chimps in Gombe use tools," was the stark

message Jane sent out to a sceptical world of scientists who initially dismissed her 'amateur' observations, until National Geographic sent their photographers to document her claims and her large body of work on chimp behaviour.

Rumour has it she protested when Geographic photographers and writers began to focus largely on her personal story rather than the behavioural miracles she had witnessed, but in the end Jane prevailed and made her discovery known to her mentor Leakey, who sent back this historic telegram: NOW WE MUST REDEFINE TOOL STOP REDEFINE MAN STOP OR ACCEPT CHIMPANZEES AS HUMAN.

Ethology, or the study of animal behaviour, was not a very well understood phenomenon, but that was the subject of Jane Goodall's thesis at Cambridge. She was awarded her PhD in 1965 without even possessing an undergraduate degree! She proved that the use of tools was not the monopoly of Homo sapiens! The whole world began to stand up and take notice of Jane Goodall, who through her carefully documented observations, empathy and respect for the natural world sent tectonic shocks through academia. What was supposed to be a relatively short time in Africa turned into two full decades spent in the Gombe National Park. Her fame spread across the world as she continued documenting chimpanzee sociology that revealed playfulness, affection, displays of love, peaceful grooming... and conflicts between competing chimp groups capable

of raw violence, sometimes even cannibalism! Jane had her skirmishes with the male-dominated academia and beyond. Her next goal, wrote Lakshmy Raman, Executive Editor of Sanctuary Asia magazine, was "to defend a then unpopular idea: that chimpanzees have emotions, minds and personalities of their own." That same year, National Geographic funded the Gombe Stream Research Centre. That's not all! Here is what The Atlantic, an American magazine, wrote: This



April, on the day before her 91st birthday, Jane Goodall recorded the conversation that would make her the oldest-ever guest on the podcast 'Call Her Daddy'. Like Khloe Kardashian and Chappell Roan before her, Goodall sat in a plush pink armchair opposite host Alex Cooper, who lobbed

personal questions. Cooper had warned her audience that the conversation "might be a little different" from the usual gossip about sex and relationships. But Goodall was willing to dish, recalling that in 1963, after the National Geographic Society began supporting her research on chimpanzees and she made her first appearance on the cover of its magazine, disgruntled male colleagues commented that "they wouldn't put her on the cover if she didn't have nice legs". Asked about this later, this remarkable woman responded with words to the effect that if her legs helped the chimps, she had no problem with that!

Dame Jane Goodall made a huge difference to the world of biodiversity conservation through personal appearances, documentaries, books and more. In 1991, the Jane Goodall Institute, with help from Tanzanian students, founded Roots & Shoots, to bring environmental and social issues to young people across the world. With six decades of field research under her belt, and decades in public service, uncounted recognitions and awards have come her way. In 2002, she was named the United Nations Messenger of Peace. In 2006, Dr Goodall received the French Legion of Honor and a UNESCO Gold Medal Award. And in 2021, Sanctuary Nature Foundation honoured her with the Sanctuary Wildlife Legend Award. In my view, if anyone deserved a Nobel Peace Prize, it was Dame Jane Goodall.

Rukmani Devi Garg Agro Impex Lists At 20% Discount On BSE SME

New Delhi.(Agency)

Mumbai: Shares of Rukmani Devi Garg Agro Impex made a weak debut on the stock market on Monday, listing at Rs 79.20 per share on the BSE SME platform. This was about 20 per cent lower than the issue price of Rs 99 per share. The disappointing listing came as a surprise to many investors, especially after the stock had shown a strong trend in the grey market. Before listing, the company's shares were trading at a premium of more than 36 per cent over the IPO price, according to data from Investorgain. The company had launched its initial public offering (IPO) to raise Rs 23.5 crore entirely through a fresh issue of shares. The IPO was open for subscription from September 26 to September 30, with a price band of Rs 93 to Rs 99 per share. Investors could bid for a minimum of 1,200 shares and in multiples thereafter. The public issue received strong investor response and was subscribed more than 28 times. Non-institutional investors showed the highest interest, subscribing their portion over 57 times. Rukmani Devi Garg Agro Impex plans to use the IPO proceeds for meeting its working capital requirements and general corporate purposes. Fedex Securities was the book-running lead manager for the issue, while Bigshare Services Private Limited acted as the registrar. Incorporated in 1998, Rukmani Devi Garg Agro Impex Limited operates in the agro-processing industry, focusing on the import and export of agricultural products, food processing, and related services.

Hospital stocks jump on CGHS rate revision

CHENNAI.(Agency)

Shares of leading hospital chains in India saw a sharp rise on Monday morning after the government announced a major update to the Central Government Health Services (CGHS) reimbursement rates. The move, aimed at modernizing the rates for medical procedures, provided a boost to private hospitals' revenue prospects. On Monday at 11.20 AM, Fortis Healthcare share were up around 5 percent, trading near Rs 1,027 a unit. While, Max Healthcare and Apollo Hospitals rose about 5 percent to Rs 1,347, and 3.7 percent to Rs 7,730 respectively. Other hospital stocks, including Narayana Health and Global Health, also gained during early trading, reflecting strong investor optimism. The new CGHS rates, effective October 13, 2025, update payments for almost 2,000 medical procedures. Key changes include:



Hospital Accreditation: NABH-accredited hospitals will receive standard rates, while non-accredited hospitals will get 15% less. Hospital Type: Large super-specialty hospitals (200+ beds) will earn 15% above the base rate. City Category: Tier-2 and tier-3 city hospitals will have rates 10-20% lower than tier-1 cities. Ward Type: Reimbursement will also vary depending on the patient's ward entitlement. This overhaul addresses long-standing concerns that CGHS rates were outdated and insufficient to cover modern healthcare costs, including staff and equipment expenses. Analysts estimate that the rate revision could increase reimbursements by 25-30% on average. Hospitals with significant CGHS exposure, such as Fortis, Max Healthcare, and Apollo Hospitals, are expected to benefit the most. The revised rates may encourage more private hospitals to participate in the scheme, improving patient access to cashless treatments. Shares of leading hospital chains in India saw a sharp rise on Monday morning after the government announced a major update to the Central Government Health Services (CGHS) reimbursement rates. The move, aimed at modernizing the rates for medical procedures, provided a boost to private hospitals' revenue prospects.

Vodafone Idea shares fall over 4% ahead of AGR case hearing in SC

CHENNAI.(Agency)

Vodafone Idea shares declined sharply in early trade on Monday, October 6, as investors turned cautious ahead of a crucial Supreme Court hearing on the company's adjusted gross revenue (AGR) dues case. At 10:50 AM IST, Vodafone Idea's stock was trading at Rs 8.46 on the BSE, down around 4.2 percent from the previous close. Earlier in the session, the shares touched an intraday low of Rs 8.37, reflecting weak investor sentiment ahead of the verdict. The drop comes as the Supreme Court is scheduled to hear Vodafone Idea's plea challenging the Department of Telecommunications' (DoT) demand for an additional Rs 9,450 crore in AGR dues. The telecom operator maintains that these claims fall outside the scope of the earlier court judgment, which had already settled the AGR liabilities for telecom companies. The AGR dispute has been a long-standing issue for Indian telecom operators. AGR, or Adjusted Gross Revenue, is a measure used by the DoT to calculate the license fees and spectrum usage charges payable by telecom companies to the government. In 2012, the Supreme Court clarified that AGR includes all revenue earned by telecom operators, including non-telecom income such as interest and rent, which significantly increased the companies' liabilities. Vodafone Idea, formed in 2018 through the merger of Vodafone India and Idea Cellular, inherited a large portion of this liability.

Bitcoin hits all-time high. Can the rally last

MUMBAI.(Agency)

Bitcoin has smashed through its previous records once again. The world's largest cryptocurrency touched a new all-time high of \$125,689 during Asian trading hours on October 5, 2025, crossing its earlier peak of \$124,514 set in August. At the time of writing, the crypto was trading at \$123,791.15, rising by 10.76% over the last seven days.

The latest surge has reignited excitement among investors who believe Bitcoin is firmly on its way to becoming a mainstream financial asset. WHY IS BITCOIN RISING?

The rally comes at a time when global financial markets are showing signs of caution. Investors are turning to alternative assets such as Bitcoin, helped by two key factors — strong inflows into Bitcoin exchange-traded funds (ETFs) and a more supportive regulatory stance in the United States. Gains in US equity markets have also boosted sentiment, while a weaker dollar and concerns over a potential government shutdown have led many to seek safer investments.



According to Edul Patel, CEO of Mudrex, "Bitcoin hit a new all-time high of \$125,500, taking the total crypto market cap to \$4.26 trillion. Factors like weak dollar strength, massive downward revisions of US jobs numbers, and the US government shutdown have created a bullish environment for safe-haven assets like gold and crypto."

He added that spot Bitcoin ETFs have seen inflows of over \$3.25 billion, while the

amount of Bitcoin held on centralised exchanges has fallen to its lowest level in six years. "This scarcity increased buy-side pressure, adding to the momentum. Currently stabilising at \$124,100, a sustained momentum could push BTC towards \$140,000 in the coming weeks."

INSTITUTIONAL INVESTORS JOIN THE PARTY

The growing participation of large financial institutions is one of the biggest reasons

behind Bitcoin's steady rise. Ryan Lee, Chief Analyst at Bitget, said, "Bitcoin's climb above \$124,000, fueled by \$3.2 billion in spot ETF inflows, underscores deepening institutional conviction and a maturing market narrative that increasingly views BTC as a premier store of value amid global economic uncertainty."

He believes the rally is likely to continue. "We expect Bitcoin to sustain its upward trajectory in the near term, potentially testing \$130,000 if ETF momentum continues to build."

WHAT'S NEXT FOR BITCOIN?

Many analysts believe Bitcoin still has room to grow, especially if ETF demand continues and economic uncertainty persists. Some even say the gains could spill over into other cryptocurrencies like Ethereum, which may also see a rebound. Simply put, Bitcoin's momentum remains strong, but like all cryptocurrencies, it can be highly volatile. While the outlook appears bullish, investors should stay cautious and avoid jumping in without proper risk assessment.

Consumer Alleges Being Charged Extra Fees For Cash On Delivery Option; Consumer Affairs Dept Launches Probe

New Delhi.(Agency)

New Delhi: The Department of Consumer Affairs has initiated a thorough investigation into complaints against e-commerce platforms imposing additional charges for cash-on-delivery (COD) payments. The Department has committed to taking stringent measures against those who violate consumer rights. Minister of Consumer Affairs, Food and Public Distribution Pralhad Joshi recently referred to such practices as 'dark patterns' and stated that such patterns deceive and exploit consumers. The union minister also confirmed that such platforms will be closely scrutinized. New Delhi: The Department of Consumer Affairs has initiated a thorough investigation into complaints against e-commerce platforms imposing additional charges for cash-on-delivery (COD) payments. The Department has committed to taking stringent measures against those

who violate consumer rights. Minister of Consumer Affairs, Food and Public Distribution Pralhad Joshi recently referred to such practices as 'dark patterns' and stated that such



patterns deceive and exploit consumers. The union minister also confirmed that such platforms will be closely scrutinized. New Delhi: The Department of Consumer Affairs has initiated a thorough investigation into complaints against e-commerce platforms imposing additional charges

for cash-on-delivery (COD) payments. The Department has committed to taking stringent measures against those who violate consumer rights.

Minister of Consumer Affairs, Food and Public Distribution Pralhad Joshi recently referred to such practices as 'dark patterns' and stated that such platforms deceive and exploit consumers. The union minister also confirmed that such platforms will be closely scrutinized. Govt Calls It 'Dark Pattern' The government has referred to the practice of charging consumers additional fees by online platforms as 'dark pattern'. This practice deceives and exploits consumers. Dark patterns are deceptive pricing or design practices of digital platforms whereby users are tricked into making unwanted purchases or paying hidden fees. The Department of Consumer Affairs has been actively detecting and warning consumers doing online shopping against these practices.

Canara Robeco IPO opens on October 9: Check price band, other key details

New Delhi.(Agency)

Canara Robeco Asset Management Company Limited, a joint venture between Canara Bank and ORIX Corporation Europe, is set to launch its Initial Public Offering on October 9, 2025.

The IPO is entirely an Offer for Sale, with 4.98 crore shares being sold at a price band of Rs 253 to Rs 266 per share. Canara Bank will sell 2.59 crore shares while ORIX Corporation Europe will divest 2.39 crore shares. Since this is an OFS, the proceeds will go entirely to the selling shareholders, with no fresh capital raised for the company itself. The IPO will be open for subscription from October 9 to October 13, 2025, with anchor investor bidding taking place on October 8. Shares are expected to be credited to demat accounts by October 15, with listing on the BSE and NSE scheduled for October 16.

Investors can apply in lots of 56 shares, meaning a minimum investment of around Rs 14,896 at the upper price band. Of the total shares, 35% are reserved for retail investors, 50% for qualified institutional buyers, and 15% for non-



institutional investors. Established in 1993, Canara Robeco has grown into a significant player in India's asset management industry, offering a wide range of equity, debt, and hybrid mutual fund schemes. As of December 31, 2024, the company managed assets worth Rs 1.3 lakh crore, supported by a distribution network that leverages Canara Bank's extensive branch presence along with third-party distributors. The company has demonstrated consistent growth, with revenue rising from Rs 164.22 crore in FY22 to Rs 318.09 crore in FY24 and profit after tax climbing from Rs 60.16 crore to Rs 151 crore during the same period.

While the IPO provides an opportunity to invest in a well-established AMC with strong parentage and a broad distribution network, potential investors should consider risks such as market volatility, dependency on third-party distributors, and occasional underperformance of certain schemes relative to their benchmarks.

NSE Reduces Lot Sizes For Nifty 50, Other Index Derivatives From October 28

The Nifty Financial Services lot size is now 60, down from 65, while the Nifty Mid Select index has been reduced from 140 to 120.

The market lot of derivative contracts for the Nifty Next 50 Index was kept unchanged.

Mumbai.(Agency)

The National Stock Exchange (NSE) has announced that it will revise market lot sizes for four major index futures and options contracts, including Nifty 50, effective from October 28.

The lot size for the Nifty 50 index has been reduced from 75 to 65, and the Nifty Bank lot size has been cut from 35 to 30, according to an official statement. The Nifty Financial Services lot size is now 60, down from 65, while the Nifty Mid Select index has been

reduced from 140 to 120. The market lot of derivative contracts for the Nifty Next 50 Index was kept unchanged. Investors can continue to trade with current lot sizes until the



December 30, 2025 expiry, after which all new contracts of any maturity will follow the revised, smaller lot sizes.

"Members are advised to inform their clients who have positions or take any new positions in the quarterly and half-yearly contracts of the upcoming revision in lot size on the below-

mentioned dates," NSE said.

The current lot size for Nifty's weekly and monthly contracts will expire on December 23, while the monthly Nifty and Bank Nifty contracts will expire on

December 30. All new contracts after these dates will adhere to the revised sizes. The NSE revises lot sizes of futures & options contracts primarily to keep the contract value within a standard range and to keep the contracts affordable and standardised.

Traders do not have to pay the full value of the contract upfront, as derivatives are leveraged instruments, but their lot size determines the participants' exposure and the margin required.

Lot size revisions are undertaken by stock exchanges to enhance market efficiency and liquidity, as well as to ensure that contracts are more appealing to a broader range of market participants.

Gold prices at record high. Should you buy now or wait

Gold has hit a fresh record high, leaving buyers unsure whether to make a move now or wait for a price dip. With festive demand and global uncertainty pushing rates up sharply, the big question is — is this the right time to buy?

New Delhi.(Agency)

Gold is once again making headlines as prices in India inch close to all-time highs. With Diwali around the corner and global uncertainty rising, many people are wondering whether they should buy gold now or wait for a correction. Across India, 24K gold has crossed Rs 12,000 per gram, while 22K rates are above Rs 11,000. Silver, too, is shining bright with sharp gains. The rally is not limited to local markets. Globally, gold has jumped past the \$3,900-per-ounce mark for the first time in history, supported by safe-haven buying as investors seek protection from economic and political uncertainty.

WHAT IS DRIVING THE RALLY?

Several global and local factors are pushing prices higher. Concerns over a possible US government shutdown have delayed key economic data, adding to investor anxiety. The weakening US dollar and



expectations of further interest rate cuts by the Federal Reserve have made gold more attractive. At the same time, ongoing conflicts such as the Russia-Ukraine war are keeping geopolitical risks high.

Rahul Kalantri, VP Commodities at Mehta Equities Ltd, believes the momentum may continue. "Bullion markets witnessed another strong week, with gold and silver extending gains and touching record highs. The precious metals found support from profit-taking in the dollar

index, declining US bond yields, geopolitical uncertainties, and the US government shutdown," he said.

He added that central banks added 15 tonnes of gold in September, signalling long-term confidence in the metal.

INVESTOR SENTIMENT REMAINS STRONG Gold is often seen as a shield during troubled times, and that behaviour is clearly visible again. With inflation concerns still lingering and conflicts such as the Russia-Ukraine war showing no signs of easing, investors across the world

are choosing stability over risk. Ponnudi R, CEO of Enrich Money, explained, "Gold remains around \$3,900 an ounce, signalling steady safe-haven demand but without unsettling broader risk appetite, keeping overall market sentiment constructive."

Even gold-backed exchange-traded funds (ETFs) have seen increased inflows, suggesting that institutional investors are also joining the rally.

SHOULD YOU BUY GOLD NOW?

While prices are at record highs, analysts say that small corrections may occur along the way. Many believe such dips could be used as buying opportunities, especially for long-term holders.

Gold may not offer quick returns, but it has traditionally served as a strong insurance against inflation, currency weakness, and economic shocks. Those looking to invest should consider their financial goals rather than trying to time the market perfectly. For individuals planning for weddings, future expenses or diversification, buying in small amounts, either through jewellery, coins, or digital gold, may be a sensible approach.

Lawyer tries to throw shoe at Chief Justice, he says these things don't affect me

The police immediately detained the accused lawyer, while Chief Justice Gavai remained composed and continued the proceedings without interruption.

Agency New Delhi.

The Supreme Court on Monday witnessed a dramatic scene when a lawyer attempted to throw a shoe at Chief Justice of India BR Gavai during a hearing. While the accused was being escorted out of the courtroom, he screamed, "India will not tolerate the insult of Sanatan Dharma." Today's incident comes just weeks after the Chief Justice was widely criticised over his controversial "go and ask the deity itself" remarks while hearing a plea linked to the restoration of a damaged Vishnu idol in Madhya Pradesh.

The accused was immediately detained, while Chief Justice Gavai remained composed and continued the proceedings without interruption. After the incident, he remarked, "Don't get distracted by all this. These things do not affect me. Continue with the hearing."

Supreme Court lawyer Rohit Pandey identified the accused as a member of the Bar Association



since 2011. "The act appears to have been in response to the Chief Justice's deity remarks. I strongly condemn this incident and urge that strict action be taken against the accused," he said.

The accused was immediately detained, while Chief Justice Gavai remained composed and continued the proceedings without interruption. After the incident, he remarked,

"Don't get distracted by all this. These things do not affect me. Continue with the hearing." Supreme Court lawyer Rohit Pandey identified the accused as a member of the Bar Association since 2011. "The act appears to have been in response to the Chief Justice's deity remarks. I strongly condemn this incident and urge that strict action be taken against the accused," he said.

In September, while dismissing a plea seeking restoration of the 7-foot Vishnu idol at the Javari temple in Madhya Pradesh, Chief Justice Gavai told the petitioner, "This is purely a publicity interest litigation. Go and ask the deity itself to do something now. You say you are a staunch devotee of Lord Vishnu. So go and pray now."

However, in the wake of widespread criticism on social media, as well as lawyers seeking a clarification over the controversial comments, the Chief Justice said that his remarks were "misrepresented" and stressed that he "respects all religions."

Centre probes mid-air emergency system deployment on Air India Dreamliner jet

Agency New Delhi.

The Director General of Civil Aviation (DGCA) on Monday launched an investigation into the uncommanded mid-air deployment of the emergency turbine, the Ram Air Turbine (RAT), on an Air India Boeing Dreamliner 787-8 aircraft operating from Amritsar to Birmingham. The plane, AI 117, had made a safe landing in Birmingham. The RAT system is a tiny fan-like device that deploys automatically when an aircraft loses power, usually in cases where all engines stop running. The fan uses the incoming wind to generate emergency power.

Air India confirmed that all electrical and hydraulic systems were functioning normally upon landing. However, as per standard operating procedures, the aircraft has been grounded for detailed inspection.

According to the DGCA, the RAT got deployed when the plane was about to land in Birmingham at 400 feet. The pilot did not report any abnormality and landed the aircraft safely, the aviation watchdog said. "Boeing (the manufacturer of Dreamliner 787-8 aircraft) recommended maintenance actions for uncommanded RAT deployment have been carried out and no discrepancy has been observed. The aircraft is being released for service," the DGCA added.

Boeing submitted its report along with recommendations and confirmed the aircraft to be structurally and functionally acceptable for continued operation if all the steps are satisfactory.

The DGCA's air safety department will probe the issue and an officer from the Directorate of Air Safety has been assigned for this investigation. Notably, the same aircraft model, Boeing Dreamliner 787-8, was earlier involved in the Ahmedabad plane crash in June this year, in which the RAT had also deployed.

Delhi education minister Sood launches Rs 5.5 crore redevelopment drive to transform Janakpuri area

Agency New Delhi.

Delhi Education Minister Ashish Sood laid the foundation stone for several development projects worth Rs 5.5 crore in the Pankha Road area of Janakpuri. Under this redevelopment drive, key works have been initiated, including the construction of a new RCC drain, toe walls with grit plaster and iron grills, pavement construction, installation of streetlights on both sides of the road, and beautification, greenery, and landscaping of the service lanes and surrounding areas, a statement said.

Speaking on the occasion, Sood said that for decades the voices of Janakpuri residents were ignored by the then MLA, but now a wave of change is sweeping through the constituency.

"Under the leadership of CM Rekha Gupta, we are not only listening to the people's problems but also working tirelessly at multiple levels to deliver real solutions. Today, the winds of development are blowing across Janakpuri," he said.

The minister added that this initiative marks another milestone in the ongoing development drive. For years, residents of Janakpuri, Vikaspuri, Uttam Nagar, Najafgarh, and Nangloi suffered from filth, poor infrastructure, and unsafe conditions. "People faced accidents caused by open drains, garbage, stray animals, and broken roads. Taking suo motu cognizance of these problems, the CM has now started work to transform this entire stretch into a clean and beautiful area. Residents will soon witness visible improvements and long-awaited relief from persistent civic issues," he said.

Sood also stressed that with the cooperation of local residents and RWAs, no stone would be left unturned in developing the area. "Our mission is to make every part of Janakpuri clean, green, and attractive so that people can proudly say they belong to a truly developed neighbourhood," he said. Highlighting broader governance, the minister said that under the guidance of Prime Minister Narendra Modi and the leadership of CM Rekha Gupta, the Delhi government is committed to ensuring inclusive and sustainable development in every corner of the city.

Haryana man held for running nationwide sextortion racket, duping victims through fake video calls

Agency New Delhi.

A 26-year-old man from Haryana has been arrested for allegedly running an elaborate sextortion racket that targeted individuals across India, Delhi Police said on Sunday. The accused, Mohammad Naseem, allegedly forced a person to transfer Rs 39,000 by threatening to upload a video of him online.

According to police, the case began on June 5 when the complainant received a video call from an unknown woman. The call was cut off almost immediately, but shortly afterwards, the victim received another call from a mobile number. The caller, pretending to be a cyber police officer, warned that an explicit video of the victim would be uploaded to social media.

"The victim was then connected to another person claiming to be a social media platform employee, who demanded money to remove the video," said Deputy Commissioner of Police (Outer North) Hareshwar Swami. Fearing public exposure, the victim transferred Rs 39,000 in three separate UPI transactions, only realising later that he had fallen prey to a scam. He subsequently lodged a complaint through the National Cyber Reporting Platform (NCRP), officials said. Police investigated the call and bank account details and later raided a premises in Mubarakpur village in Haryana's Nuh, arresting Mohammad Naseem, the officer said.

Interrogation revealed that the gang lured targets via social media video calls using blurry images of women, and then escalated threats by impersonating law enforcement officers.

Funds routed secretly

Funds collected from victims were routed through multiple accounts and intermediaries to conceal the money trail. Police continue to probe the matter to identify other members of the gang.

Why doctor responsible? Top medical body questions clean chit to cough syrup maker

The Indian Medical Association has objected to the arrest of a doctor linked to the ongoing cough syrup controversy, sources said. They have also questioned the reason behind the clean chit given to the alleged cough syrup-making company.

Agency New Delhi.

The Indian Medical Association (IMA) has announced it will engage with the Union Health Ministry following the arrest of Dr Praveen Soni, the physician linked to the controversial cough syrup linked to the deaths of 16 children in Madhya Pradesh, a source told. The IMA has questioned why Dr Soni is being singled out for responsibility, emphasising that treatment protocols were followed and that the blame should not rest solely on the doctor. The association is determined to push for Dr Soni's release.

The medical body has also questioned the government's decision to give a clean chit to the pharmaceutical company. Meanwhile, a fact-finding

team has been dispatched to Chhindwara and is currently en route to meet with local authorities and assess the situation on the ground, sources further said.



In Madhya Pradesh, 14 of the deaths were reported from Chhindwara district, with the remaining 2 suspected fatalities from Betul. The deaths have sparked outrage and led to a crackdown

on those involved in the production and prescription of the implicated Coldrif cough syrup.

Authorities arrested Dr Soni on Saturday after police registered an FIR against him and the operators of Sresun Pharmaceuticals, the manufacturer of Coldrif. The FIR, filed under multiple sections of the Drugs and Cosmetics Act and the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), was lodged following a complaint by Ankit Sahlam, Block Medical Officer of Parasia Community Health Centre.

Following orders from Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav, Dr Soni, a paediatrician posted in Parasia, Chhindwara, was suspended immediately for alleged negligence in treating the affected children.

Delhi Police bust Cambodia-based cyber fraud gang that swindled Rs 4.5 crore

Agency New Delhi.

The cyber cell of Delhi Police has uncovered a major international cyber fraud network, arresting five individuals involved in an elaborate investment scam. The gang, with links to Cambodia, is accused of defrauding unsuspecting victims of over Rs 4.25 crore under the guise of online investment schemes. According to Deputy Commissioner of Police (Southwest) Amit Goyal, the five accused, identified as Vikram (Haryana), Mukul (Punjab), Akshay (Himachal Pradesh), Hari Kishan (Haryana), and Mangu Singh (Rajasthan), were operating from different states and were in close coordination with



foreign cybercriminals. Mangu Singh, the alleged mastermind, is said to have coordinated the operations through a Telegram group named "ATPay," which was linked to fraudsters based in Cambodia.

One person, who fell prey to this gang, alone lost Rs 10.7 lakh in the scheme. Investigations revealed that the gang

transferred the defrauded funds to multiple bank accounts, converted them into cryptocurrency, and routed the digital assets to Cambodia, making the money trail difficult to track. During the raids, police seized 13 mobile phones, 8 SIM cards, 9 checkbooks, 3 registers, and a laptop, all believed to be used in the commission of the crime. DCP

Goyal confirmed that a case has been registered and further investigations are underway to identify the gang's international associates and trace additional transactions. Police are also probing the extent of the operation and potential links to other cybercrime networks.

Karnataka caste census 80% completed, deadline may be extended: Home Minister

The survey, which began on September 22, is being conducted by the Karnataka State Commission for Backward Classes. It will cover around 1.43 crore households across the state at an estimated cost of Rs 420 crore.

Agency New Delhi.

Karnataka Home Minister G. Parameashwara on Monday indicated that the October 7 deadline for the state's ongoing caste census may be extended to ensure full coverage since enumeration has been completed for about 80 per cent of the population, and some districts are lagging behind. He added that while Chief Minister Siddaramaiah is reviewing the progress, "I don't know whether they might extend the process (deadline) for a few days to complete it. It has to be completed, there's no option for us."

The survey, which began on September 22, is being conducted by the Karnataka State Commission for Backward Classes. It will cover around 1.43 crore households across the state at an

estimated cost of Rs 420 crore. The Karnataka Home Minister's remarks came a day after the opposition BJP raised objections to the manner in which the caste census was being conducted and the nature of the questions being asked. "The caste census being conducted by the government in the name of a social and educational survey is creating confusion by the day and has caused unrest across communities," state BJP chief BY Vijayendra said.

Vijayendra said that when Prime Minister Narendra Modi has already announced a historic decision to include caste

enumeration in its upcoming national census, "there was no need to create such

confusion in our state." Union Minister of State V Somanna also out at the Karnataka Congress government and termed the survey as

"unscientific" and "filled with confusion and technical errors."

Meanwhile, Chief Minister Siddaramaiah slammed the state's opposition for criticising the caste census, calling it "hypocritical". Last week, he said that the BJP leaders who once supported caste surveys in Bihar and Telangana, and whose own Union government has initiated a caste census, were now calling for a boycott in Karnataka.

"This survey is not against anyone; it is in favour of everyone," he said, adding that the exercise covers all seven crore residents of the state to ensure equitable representation.



NEWS BOX

US government shutdown entering sixth day as Republicans and Democrats remain at an impasse

WASHINGTON. (Agency)

Republican and Democratic lawmakers at an impasse on reopening the federal government provided few public signs Sunday of meaningful negotiations taking place to end what is about to be a six-day shutdown — with President Donald Trump saying that layoffs are occurring.

Asked on Sunday night when federal workers would be fired as he has threatened to do, Trump told reporters: "It's taking place right now and it's all because of the Democrats." "The Democrats are causing the loss of a lot of jobs," Trump added, declining to answer a question about which agencies are subject to the cuts.

The possibility of layoffs would escalate an already tense situation in which Washington lawmakers have struggled to find common ground and build mutual trust. Leaders in both parties are betting that public sentiment has swung their way, putting pressure on the other side to cave. Democrats are insisting on renewing subsidies to cover health insurance costs for millions of households, while Trump wants to preserve existing spending levels as he believes that Democrats will have to cave because of the jobs and federal projects being put at risk. The squabble comes at a moment of troubling economic uncertainty. While the U.S. economy has continued to grow this year, hiring has slowed and inflation remains elevated as Trump's import taxes have created a series of disruptions for businesses and hurt confidence in his leadership. At the same time, there is a recognition that the nearly \$2 trillion annual budget deficit is financially unsustainable. House Democratic leader Hakeem Jeffries, among those appearing on the Sunday news shows, said there have been no talks with Republican leaders since their White House meeting last Monday. "And, unfortunately, since that point in time, Republicans, including Donald Trump, have gone radio silent," Jeffries said. "And what we've seen is negotiation through deepfake videos, the House canceling votes, and of course President Trump spending yesterday on the golf course. That's not responsible behavior."

Using Choppers, Chemical Agents: Immigration Raids Become Aggressive In US

Chicago. (Agency)

Storming an apartment complex by helicopter as families slept. Deploying chemical agents near a public school. Handcuffing a Chicago City Council member at a hospital. Activists, residents and leaders say increasingly combative tactics used by federal immigration agents are sparking violence and fueling neighborhood tensions in the nation's third-largest city. "They are the ones that are making it a war zone," Illinois Gov. JB Pritzker said Sunday on CNN. "They fire tear gas and smoke grenades, and they make it look like it's a war zone."

More than 1,000 immigrants have been arrested since an immigration crackdown started last month in the Chicago area. The Trump administration has also vowed to deploy National Guard troops in its agenda to boost deportations. But US citizens, immigrants with legal status and children have been among those detained in increasingly brazen and aggressive encounters which pop up daily across neighborhoods in the city of 2.7 million and its many suburbs. Activists and residents were taking stock Sunday at an apartment building on Chicago's South Side where the Department of Homeland Security said 37 immigrants were arrested recently in an operation that's raised calls for investigation by Pritzker. While federal agents have mostly focused on immigrant-heavy and Latino enclaves, the operation early Tuesday unfolded in the largely Black South Shore neighborhood that's had a small influx of migrants resettled in Chicago while seeking asylum. Agents used unmarked trucks and a helicopter to surround the five-story apartment building. NewsNation, which was invited to observe the operation, reported agents "rappelled from Black Hawk helicopters." Agents then went door to door, woke up residents and used zip ties to restrain them.

First Supermoon Of The Year Is Approaching. Here's What To Know

New York. (Agency)

The moon will appear slightly larger and brighter Monday night during what's known as a supermoon. October's supermoon is the first of three this year. It happens when a full moon is closer to Earth in its orbit. That makes the moon look up to 14% bigger and 30% brighter than the faintest moon of the year, according to NASA. The subtle difference happens a few times a year, sometimes coinciding with other astronomical events such as lunar eclipses.

"It's not really very unusual," said Derrick Pitts, chief astronomer with the Franklin Institute in Philadelphia. Everyone in the world can see a supermoon without special equipment if clear skies permit. But the difference can be tough to discern, especially if people haven't observed the regular moon on the nights leading up. "If you go out and just look at the moon when it's very high in the sky, there is nothing relative to it to give you an idea of how big it looks," Pitts said. In the latest viewing, the moon will pass within about 224,600 miles (361,459 kilometers) of Earth. The closest supermoon of the year is slated for November, followed by another in December. The spectacles continue in 2026 with two lunar eclipses: a total eclipse across much of North America, Asia and Australia in March, and a partial one in August across the Americas, Africa and Europe.

Gisele Pelicot back in French court for appeal trial 'ordeal'

Only one of the men, Husamettin Dogan, has maintained an appeal against his conviction, meaning the new trial must go ahead.

NIMES. (Agency)

Frenchwoman Gisele Pelicot, whose ex-husband recruited dozens of strangers online to sexually assault and rape her while drugged, returns to court on Monday for an appeal trial triggered by the bid of one man to overturn his conviction.

Fifty-one men, including her former husband Dominique Pelicot, were convicted at the nearly four-month initial trial that ended in December and turned Gisele Pelicot into a global icon. Gisele Pelicot, 72, waived her right to anonymity and her dignified and quietly defiant conduct throughout the trial made her a feminist hero and a symbol of the fight of women against male sexual violence. Only one of the men, Husamettin Dogan, has maintained an appeal against his conviction, meaning the new trial must go ahead.

It will start at 2:00 pm (1200 GMT) on Monday in the southern city of Nimes, and is expected to last a maximum of four days. Dominique Pelicot will be brought from prison, where he remains in solitary confinement, for cross-examination on Tuesday. Gisele Pelicot is due to speak on Wednesday. One of her lawyers said Gisele Pelicot would have been happy to forgo "this ordeal" but was not afraid of being thrust into the spotlight again.

"She understands the attention given to her case, which, beyond her own person, has universal significance," Antoine Camus told AFP. "It challenges us all to think about gender relations and men's relationship with their sexuality." "Never intended to rape" Over a nine-year period, Gisele Pelicot was heavily drugged by her husband to be raped and sexually abused by strangers while unconscious, mostly at the family home in the southern French town of Mazan. Unlike the initial trial in Avignon, where Gisele Pelicot faced around 50 accused men in court every day, this time she will only face Dogan, who is not currently in custody. In December, Dogan was sentenced to nine years in prison. But

his incarceration was delayed for health reasons. "I'm not a rapist," the 44-year-old construction worker said during the first trial. "This is too much for me to bear. He's her husband. I never thought that guy could do this to his wife." Sixteen other men



appealed their verdicts but later abandoned their bids. According to one of his lawyers, Dogan argues that he was "trapped" by Dominique Pelicot. "He is appealing because he maintains that he never intended to rape anyone," Jean-Marc Darrigade told AFP. "His true adversary is not Gisele Pelicot, whom he deeply respects, but the man who was her

husband." He hears threats. Dominique Pelicot has not appealed his 20-year prison sentence and will only appear as a witness at the new trial. "He will explain exactly what happened to Dogan," his lawyer Beatrice Zavarro told AFP. In prison, Dominique Pelicot speaks to no-one and writes a lot, she said.

"When he is inside his cell, he hears things through the window, he hears his name being mentioned a lot, he hears threats," Zavarro said. At the first trial, many of the men attempted to shift the blame onto Dominique Pelicot, claiming they were lured into believing they were taking part in a consensual sex game, an argument which did not convince the court. Most of his co-defendants, aged 27 to 74, were convicted of rape.

They received sentences ranging from three years in prison including two suspended — the lightest term which went to a pensioner tried for sexual assault — to 15 years in prison for a man who raped Gisele Pelicot six times. Dogan said that in December 2019, he met a man online who presented himself as a member of a "libertine couple" whose wife "pretended to be asleep".

Protesters rally for and against Ecuador's president as emergency takes effect in 10 provinces

QUITO. (Agency)

Protesters both for and against Ecuador's President Daniel Noboa rallied in the capital Quito on Sunday after a state of emergency took effect in 10 provinces.

Anti-government demonstrations began two weeks ago, organised by the country's largest Indigenous group, in response to the removal of a fuel subsidy that raised diesel prices from \$1.80 to \$2.80 per gallon. "Diesel goes up, everything goes up," and "Out with Noboa" were among the slogans shouted by dozens of protesters at a popular park in the capital, where pro-government supporters also gathered in higher numbers. Police reported no injuries or arrests on Sunday, but officers dispersed protesters using tear gas after some of them tried to break through the security cordon protecting the park. Late Saturday, the government declared a state of emergency starting Sunday at midnight in 10 provinces, citing

"serious internal unrest." The provinces are areas with large Indigenous populations where protests have been concentrated. The order



restricts freedom of assembly but does not prohibit peaceful demonstrations. The Confederation of Indigenous Nationalities of Ecuador said in a statement that Noboa's emergency decree "deepens his war policy" against the population's legitimate demands and called on international human rights organisations to remain

vigilant. A violent clash between police and Indigenous protesters a week ago left one civilian dead and several injured. Nearly 100 people were detained, and some military personnel were briefly held before being released.

On Sunday, protesters demanded the release of detainees, including 13 people accused by prosecutors of terrorism. Pro-government activities included an art fair in El Arbolito Park attended by ministers and other officials, all under the protection of police and military forces. Minister of Government Zaida Rovira told reporters that Ecuador "has grown tired of violence." Edgar Lama, president of the Social Security Board, said, "There is nothing to discuss with a minority that seeks to impose its will through violence." Noboa has said he will not reverse the fuel subsidy cut. "Those who choose violence will face the law. Those who act like criminals will be treated as criminals," the

History will never forget it were US SEALs who put a bullet in bin Laden's head: Trump

NEW YORK. (Agency)

History will never forget that it were the US Navy SEALs that stormed Al Qaeda leader Osama bin Laden's compound and put a bullet in his head, US President Donald Trump said.

Trump also repeated his claim that a year before Al Qaeda terrorists attacked the World Trade Centre twin towers in September 2001, he had warned about bin Laden. History will never forget that it was the SEALs who stormed the compound of Osama bin Laden and put a bullet in his head. Remember that, Trump said in a speech at Norfolk, Virginia, on Sunday during a special celebration to mark the US Navy's 250th birthday. Trump said that he had asked authorities to keep track of bin Laden a year before the 9/11 attack, and went on to add that the "fake news would never let me get away with that statement unless it was true".

"Please remember I wrote about Osama bin Laden exactly one year before he blew up the World Trade Center. And I said, You got to watch Osama bin Laden," he said. "But I said one year before that I saw somebody named Osama bin Laden and I didn't like it. And you got to take care of him." "They didn't do it. A year later, he blew up the World Trade Center, the US president said. So got to take a little credit, because nobody else is going to give it to me. You know the old story, they don't give you credit. Just take it yourself." Trump said that it was the US Navy that dumped bin Laden's wretched corpse off the decks of aircraft carrier USS Carl Vinson "to sink into the dark abyss". In May 2011, US Navy SEALs carried out an operation that killed bin Laden, who was hiding in a house in Abbottabad, Pakistan.

The raid was carried out after it was authorised by then US President Barack Obama.

Obama, in a special address from the East Room in the White House, had declared, I can report to the American people and to the world that the United States has conducted an operation that killed Osama bin Laden, the leader of Al Qaeda, and a terrorist who's responsible for the murder of thousands of innocent men, women, and children. Trump, who has been critical of the US exit from Afghanistan under former President Joe Biden's leadership, also said that the US would have won Afghanistan easy. Would have won every war easy. "But we got politically correct. Let's take it easy. We're not politically correct anymore. Just so you understand, we win. Now we win. We don't want to be politically correct anymore," he said.

Indonesia school building collapse: Death toll rises to 54



SIDOARJO. (Agency)

The death toll from an Indonesian school collapse rose to 54 on Monday, officials said, as rescuers searched for more than a dozen still missing.

Part of the multi-storey building on Indonesia's Java island collapsed suddenly last week as students gathered for afternoon prayers. As of

this morning, "we have retrieved 54 dead victims, including five body parts," National Search and Rescue Agency (Basarnas) operations director Yudhi Bramantyo told a press conference.

Rescuers were still working around the clock in the rubble of the Islamic boarding school. "We hope we can

conclude the recovery today (Monday), and we will return the bodies (to the families)," Yudhi said.

The collapse was Indonesia's deadliest disaster so far this year, Budi Irawan, the deputy head of the national disaster agency (BNPB), said. At least 13 people were still missing, he added. Investigators have been examining the cause of the collapse, but initial indications suggest that substandard construction may have contributed to the incident, according to experts.

The families of the missing agreed on Thursday for heavy equipment to be used, after the 72-hour "golden period" for the best chance of survival came to an end. Lax construction standards have raised widespread concerns about building safety in Indonesia. At least three people were killed and dozens were injured in September when a building hosting a prayer recital collapsed in West Java.

Federal judge temporarily blocks Trump administration from sending National Guard troops to Oregon

WORLD. (Agency)

A federal judge on Sunday temporarily blocked the Trump administration from deploying any National Guard units to Oregon, after a legal whirlwind that began hours earlier when the president sent California troops to Portland to protect federal buildings from ongoing protests.

During a hastily called evening telephone hearing, US District Judge Karin Immergut granted the temporary restraining order sought by California and Oregon. A day earlier, the same judge temporarily blocked the administration from deploying Oregon National Guard troops to Portland. But on Sunday, the president moved to send National Guard troops to the state from neighboring California and then from Texas. Immergut, who was appointed by Trump during his first term, issued her second, more sweeping order late Sunday after she upbraided the federal government's attorney and questioned how the move to send the California and Texas troops to Oregon was not "in direct contravention of the order that was issued yesterday." The White House did not

immediately comment on the judge's decision. Small protests have been going on nightly outside Portland's immigration processing facility since Trump's second term began in January. There have been occasional flare-ups, including in June, but for weeks the demonstrations attracted only a few dozen people — until the Trump administration mobilised the Oregon National Guard on Sept. 28 over Oregon Gov. Tina Kotek's wishes. Trump administration sent California and Texas guard after judge blocked using Oregon troops. A Pentagon spokesperson said in a statement that about 200 federalised members of the California National Guard who had been on duty around Los Angeles were being reassigned to Portland. Oregon Gov. Tina Kotek said about 100 arrived Saturday and around 100 more were en route Sunday. The two states originally requested a narrower order that would have blocked only California National Guard troops from being sent to Oregon, but asked for the order to apply to all National Guard troops after a memo written by Defense Secretary Pete Hegseth was

submitted to the court that said up to 400 Texas National Guard personnel were being activated for deployment to Oregon, Illinois and possibly elsewhere. Immergut grilled lawyers for the federal government,



accusing them of seeking an end run around her order Saturday blocking the deployment of National Guard troops in Oregon. "How could bringing in federalised National Guard from California not be in direct contravention of the TRO I issued yesterday?" she said Sunday. Immergut told one federal government attorney that he was "missing the point" because conditions on the

ground in Oregon had not changed and she saw no legal basis and need for the military to assist local law enforcement. Lawyers for the federal government tried to argue that Oregon and Portland did not have standing and that California could show no harm by having some of its National Guard dispatched to another state. Scott Kennedy, the attorney representing Oregon, said he learned of the Texas National Guard mobilisation just 24 minutes before the emergency hearing on Sunday night. "It feels a little bit like we're playing a game of rhetorical whack-a-mole here," he told Immergut. Texas Gov. Greg Abbott said in a post on X Sunday night that he had authorised the call-up of guard troops from his state. "You can either fully enforce protection for federal employees or get out of the way and let Texas Guard do it," he wrote. The events in Oregon came a day after Illinois' governor made a similar announcement about troops in his state being activated. Kotek said the latest move by federal officials is an attempt to circumvent Saturday's court ruling that blocked.

NEWS BOX

Hikaru Nakamura throws away D Gukesh's king: Was it drama or disrespect

New Delhi. (Agency)

Hikaru Nakamura was caught in the middle of a storm for his showboating during the USA vs India Checkmate tournament. In a tournament where the USA blanked India 5-0, Hikaru went over the top after beating World Champion D Gukesh. The World No. 2 picked up Gukesh's king from the chessboard and threw it into the home crowd, drawing a rousing response. Hikaru's move did not go down well with many former players. Russian champion Vladimir Kramnik slammed the USA player for his gesture and called it absolutely "disrespectful." Kramnik said that the way Hikaru threw away Gukesh's king and celebrated with the crowd was not only vulgar but also a sign of the degradation of modern chess. "I don't know who came up with this childish, tasteless act. Likely this 'thinker' had no specific intention to humiliate Gukesh, but could have realised that this public gesture (using opponent's KING) looks offensive and provocative ESPECIALLY against the World Champion," Kramnik wrote on X. As criticism grew over the gesture, Nakamura



remained unapologetic in his interview with Chess India. "If I won, I was always going to throw the king. The fact that it was a dramatic bullet game made it even better. I hope the fans enjoyed it!" Nakamura said. However, Levy Rozman, a popular chess streamer who goes by the name GothamChess on the internet, provided a unique perspective. Levy said that theatrics were encouraged in this short tournament where some of the most popular players were participating.

Chess has gained incredible popularity across the world in the last five years. With multiple creators and some of the top players going viral in recent times, the game has remained highly visible on the internet. Showboating is now seen by some as a way to add drama to a game that involves minimal physical action. Both teams were briefed that theatrics were encouraged and throwing kings, knocking them over etc to hype the crowd up was ok. It just so happened that Hikaru won, and pretty sure he even spoke to/apologized to Gukesh backstage, saying it was all for show," Rozman said after the game.

Wouldn't be surprised if Shubman Gill becomes India's T20I captain too: Panesar

MILAN. (Agency)

Former England spinner Monty Panesar has hailed India's decision to appoint Shubman Gill as the ODI captain as a masterstroke, calling the 26-year-old a "natural leader" who thrives when entrusted with responsibility. BCCI's chief selector, Ajit Agarkar, revealed that he personally informed Rohit Sharma of the management's decision to relieve him of the ODI captaincy. Gill was named as Rohit's successor, with his first assignment set to be the three ODIs against Australia, starting



October 19. The announcement took many by surprise, dividing opinion among fans and former cricketers. Panesar, however, welcomed the move, saying the leadership role could bring out the very best in Gill and potentially produce his finest ODI series yet. Well, I think it is a great decision because I think he has done really well. Making him captain while Rohit Sharma is there, he can help him and guide him during the series. It is a really good move. We have seen he is a natural leader that we have seen in England," Panesar told ANI. "When you give him responsibility, you see the best of Shubman Gill. I think we will see the best of him in the ODI series. I wouldn't be surprised that they give him the T20I captaincy because I think he is a type of player who does well when you give him responsibility," the former England spinner concluded. Gill, meanwhile, is focused on the future, with his sights firmly set on the 2027 World Cup. India are expected to play around 20 ODIs leading up to the marquee event, and the new captain aims to return home with the coveted trophy. "It is the biggest honour to be able to lead your country in the One Day and to be able to lead a side that has done well. It's an immense pride for me. I hope I will be able to do great. I think we have about 20 ODIs before we play the World Cup, and obviously the ultimate goal is the World Cup in South Africa," Gill said in a video posted by the BCCI.

Barcelona did not know what to do with the ball: Pedri after 1-4 thrashing to Sevilla

FC Barcelona fell to their first loss in the LaLiga on Sunday. Sevilla thrashed Barcelona 4-1 to hand them their biggest loss of the season so far.

New Delhi. (Agency)

FC Barcelona midfielder Pedri was not happy with the team's performance on Sunday, October 5. Hansi Flick's team were thrashed 4-1 away from home, their heaviest defeat of the season so far. A heartbroken Pedri spoke after the game and said that the team did not know what to do when they had possession of the ball. Barcelona fell to a horrid defeat in LaLiga, their first of the season. The team were so toothless that they did not register a single shot on target till the 30th minute of the game. This was Barcelona's second loss on the bounce, with the first coming in the Champions League on October 2, against PSG. "We lacked intensity, we couldn't get



the ball out of our half, we didn't know what to do with the ball... we were never at our best," Barcelona midfielder Pedri said. "We need to improve a lot of things so that we can start winning games again after the break." Sevilla delivered a stunning performance to hand Barcelona their first defeat of the LaLiga season. The result marked Sevilla's first league win over the Catalan giants since 2015 and denied the defending champions a chance to reclaim top spot in the table. Barcelona, who entered the

game unbeaten, struggled from the outset. Sevilla, meanwhile, started with intent, frequently targeting Alexis Sanchez with long balls to bypass Barcelona's high defensive line. The breakthrough came in the 13th minute when Isaac Romero went down under pressure from Ronald Araujo inside the box. Following a VAR review, the referee awarded a penalty, which Sanchez confidently converted to put Sevilla ahead. Sevilla nearly doubled their lead shortly after, but Barcelona goalkeeper

Wojciech Szczesny produced a key save to deny Romero from close range. However, Romero made no mistake in the 37th minute, finishing off a swift counter-attack started by Ruben Vargas, who beat Barcelona's offside trap before delivering a precise cross into the box. Barcelona pulled a goal back just before halftime through Marcus Rashford, who latched onto Pedri's lobbed pass and finished smartly from a tight angle to give the visitors a lifeline. In the second half, Barcelona pushed for an equaliser and were awarded a penalty in the 76th minute after Adnan Januzaj fouled Alejandro Balde in the box. However, Robert Lewandowski squandered the opportunity, firing wide from the spot. Sevilla took full advantage of the miss, and in the 90th minute, Jose Angel Carmona restored the two-goal cushion with a composed finish through a defender's legs. The scoreline was rounded off deep into added time, as Akor Adams converted a pass from Chidera Ejuke to make it 4-1.

The dominant win provisionally lifted Sevilla to fourth place in the LaLiga standings with 13 points from eight matches, while Barcelona remained second with 19 points, trailing leaders Real Madrid by two.

Path-breaking as captain, Rohit Sharma enters his final act: Can he do a Dhoni

New Delhi. (Agency)

Rohit Sharma's tenure as India's captain came to an end on Saturday. Four years after taking over from Virat Kohli and transforming the way India approached white-ball cricket, it is time for the batting great to step back. Shubman Gill, long projected as the next big thing in Indian cricket, has been handed the captain's armband in ODIs just four months after assuming charge of the Test side. The selection committee's bold call has surprised many. Rohit ended India's 11-year wait for an ICC trophy, leading the team to T20 World Cup glory in 2024 and following it up with a Champions Trophy triumph earlier this year. Many believed such success would guarantee him a run as captain until 2027. Yet the writing had been on the wall ever since Rohit retired from Test cricket midway through the Indian Premier League. For him and for Kohli, who stunned the world by quitting the longest format before the England tour – it was always going to come down to match readiness. Both are now active in only one of the three formats, and that too in ODIs, the least-played format in a calendar dominated by T20Is and franchise leagues. Rohit is 38. By the time the 2027

ODI World Cup arrives, he will be 40. While his class and ability to dominate the best are beyond question, there is no guarantee that touch and form will remain constant, especially with only a handful of ODIs expected in the lead-up. Two years



may sound long, but India might not play more than 20 one-dayers during that period. That is why Ajit Agarkar and his selection committee, backed by Gautam Gambhir's management team, deserve credit. Their decision is both bold and pragmatic. They appear determined to avoid the abruptness that followed Rohit and Kohli's Test retirements earlier this year. This time, the baton has been passed with two years to spare – a planned handover rather than a forced one. As India ushers in a generational

shift with Gill leading the one-day side towards 2027, Rohit faces perhaps the most demanding transformation of his career yet: from captain to mentor, from front-runner to elder statesman.

THE ROHIT REVOLUTION

To understand why Rohit's next act matters, one must first appreciate just how path-breaking his captaincy has been. For years, India's white-ball cricket was defined by numbers and caution. The team seemed trapped in the MS Dhoni-era template-efficient and result-oriented, but increasingly outdated by 2019. England had already staged a white-ball revolution under Eoin Morgan, embracing a fearless brand of cricket built on collective aggression. Personal milestones were irrelevant; the outcome was everything. Even if half the batting line-up made brisk 30s and 40s, a 300-plus total was assured.

India, by contrast, still obsessed over averages while the rest of the world was embracing strike rates as the new currency. It is a mindset hard to shed in Indian cricket, where the system-from childhood coaching to senior levels-drummed in the mantra: 'make it count, score hundreds'. Numbers are the ticket to survival amid fierce competition.

Health scare in Australia A camp as four players fall ill in Kanpur

World No.2 Jannik Sinner limped off the court in the third round of the Shanghai Masters. Sinner, facing intense cramps, had to be carried out by his physio.

New Delhi. (Agency)

World No. 2 Jannik Sinner's bid to retain his Shanghai Masters title ended prematurely after the Italian was forced to give a walkover to Tallon Griekspoor. Playing in the third round of the tournament, Sinner failed to finish the match due to debilitating cramp in humid conditions. The incident



happened in the third and final set of the match against his Dutch opponent. Griekspoor was leading the third-round clash 6-7(3) 7-5 3-2 when Sinner suffered cramp in his thigh, forcing him to retire after more than 2 and half hours on court. This is definitely not the way you want to win. Brutal conditions here in

Shanghai all week," said Griekspoor, who had lost all six encounters against Sinner prior to Sunday's match.

Sinner had begun to struggle in the second set, leading him to frantically apply an ice towel around his neck at changeovers. The defending champion was visibly limping and massaging his thigh in the decider and in the sixth game, he limped back to his chair with the help of the physio before he was forced to make the call to retire.

"I thought we were still a little bit lucky to play in the evening without the sun. But two hours and 36 minutes on the clock, middle of the third set... I'm sorry for him, I wish him a speedy recovery," Griekspoor concluded. Djokovic Favourite After Sinner's Retirement

Women's World Cup: Pakistan break silence on Muneeba Ali's controversial run-out

Pakistan pacer Diana Baig refrained from adding more fuel to the fire over opening batter Muneeba Ali's controversial run-out against India in the sixth match of the Women's World Cup 2025 at the R. Premadasa Stadium in Colombo on Sunday.

New Delhi. (Agency)

Pakistan pacer Diana Baig broke her silence on opening batter Muneeba Ali's controversial run-out against India in the sixth match of the Women's World Cup 2025 at Colombo's R. Premadasa Stadium on Sunday. The 29-year-old said the matter had already been resolved

and there was no need to "talk about it now," following a dramatic incident on the final ball of the fourth over that saw Ali dismissed by third umpire Kerrin Klaaste, sparking confusion and frustration within the Pakistan camp. Confusion over whether Muneeba Ali was actually run out caused a brief stoppage in the fourth over of Pakistan's chase against India, as the team questioned the decision while the batter remained on the field. Stay updated for complete coverage of Women's World Cup 2025 with India Today! Get full schedule, team squads, live score, and the updated ICC women's world cup points table. The sequence of events was unusual. Muneeba was not attempting a run but was batting out of her crease, presumably to counter swing, when India appealed for LBW off Kranti Gaud's delivery. She had initially grounded her bat behind the crease before Deepti Sharma's throw came in from the slip cordon. However, she briefly lifted her bat

without grounding any other part of her body behind the line, and at that moment the throw hit the stumps, dislodging the bails. Muneeba

struck the stumps. After surviving the LBW appeal off Gaud, Muneeba had stepped out of her crease and returned to ground her bat inside but lifting the willow at the moment Deepti Sharma's throw hit the stumps triggered the appeal. Following multiple replays, the third umpire ultimately ruled her out.



IND vs PAK, Women's World Cup Updates

At the post-match press conference, Baig was asked about the incident. Reporter: "Muneeba was run out, and the captain also raised some concerns regarding that incident. Has the management made any decision on this matter? Any comment on Muneeba's run-out?" Baig: "Muneeba's run-out issue has already been settled, I believe. I don't want to talk much about it now. Whatever happened and whatever the situation was, I think it has been resolved."

At the post-match press conference,

Baig was asked about the incident. Reporter: "Muneeba was run out, and the captain also raised some concerns regarding that incident. Has the management made any decision on this matter? Any comment on Muneeba's run-out?" Baig: "Muneeba's run-out issue has already been settled, I believe. I don't want to talk much about it now. Whatever happened and whatever the situation was, I think it has been resolved."

'Some Partners Lift...'

Nikki Tamboli

Drops Emotional Post Backing Arbaaz Patel Amid Hug Controversy

Arbaaz Patel has been getting backlash for his behaviour and overprotective nature towards Dhanashree Verma inside Rise and Fall. Now, his girlfriend and reality TV star Nikki Tamboli will enter the house to support Arbaaz. In a new clip shared by Nikki Tamboli, she was seen entering the house to meet Arbaaz; seeing his girlfriend, Patel broke down in tears. In the video, Nikki could be seen talking to Arbaaz and saying, "Mummy, papa, and dadi sab bohot khush hai. Number 1 contestant agar koi hai toh vo tum ho." While sharing the video, Nikki wrote, "Some partners lift trophies, the best ones lift you — in every game and every moment. Having someone who supports you behind your back and showers love is rare."

Earlier, a video of Nikki explaining to Arbaaz how Dhanashree is using him and doesn't care about him went viral. In the clip, Nikki was telling Arbaaz to play his game and not to care about anyone else.

Nikki Tamboli Defends Arbaaz Patel

"Arbaaz comes from a reserved background. He hasn't been around girls who hug so closely, so his reaction came from a place of concern, not discomfort. He was just being protective and caring at that moment," she said, as quoted by The Times of India.

Nikki, who fell in love with Arbaaz inside the Bigg Boss Marathi 5 house, clarified that his behaviour stemmed from sincerity. She added, "He was simply trying to look out for her. People need to understand his nature before jumping to conclusions." Her statement was aimed at clearing the misunderstanding for both viewers and contestants.

What Went Down Between Arbaaz Patel and Dhanashree Verma?

The controversy erupted after Arbaaz questioned Dhanashree about her habit of hugging fellow male contestants, especially Arjun and Aarush. "Tum kya seedha jakar hug karti ho? Arjun ko, Aarush ko? (Why do you directly hug Arjun or Aarush or others?)" he asked, showing discomfort with her choice to greet them with direct hugs.

Dhanashree then told him that it was her way of greeting everyone. Following this, Arbaaz suggested that she only give side hugs to others. Dhanashree, known for her outspoken demeanour, responded, "Main side hug kabhi nahi karti, sabko front hug hi karti hoon. (I never give side hugs; I always give front hugs to people)."



Raghav Juyal Recalls His First Visit To Shah Rukh Khan's Mannat: 'By Mistake, I Asked Aryan Which Was His Room'



Raghav Juyal is currently enjoying the biggest spotlight of his career with The Ba**ds of Bollywood, Aryan Khan's bold and widely discussed directorial debut on Netflix. The dancert-turned-actor, affectionately known as the "King of Slow Motion," has stunned both critics and audiences with his effortless performance, emerging as one of the show's most memorable breakout stars.

But what's equally captivating about the series is Aryan Khan himself — not just as Shah Rukh and Gauri Khan's son, but as a filmmaker with a voice that's refreshingly original. While the world expected a certain legacy-driven storytelling from him, Aryan has instead delivered something audaciously meta, a satire that turns the camera back on the very industry that raised him.

They will be joined by leading business tycoons, including Naveen Jindal, Dhruv Sharma, Ravi Jaipuria, Darpan Sanghvi, Gaurav Dalmia, Vagish Pathak and Vinod Dugar. Speaking to NDTV, Raghav shed light on Aryan's personality — one that fans rarely get to see. "Of course, he smiles. He laughs rolling on the ground. But on camera, he chooses not to. That's his choice. He is crazy funny. He is something else. God has tuned him differently," Raghav shared. "I know he is Shah Rukh Khan and Gauri Khan's son, but he has a different identity of his own. He is Aryan Khan. He's a genius — otherwise how could he do a show like this, to play with the public's perception and make a whole satire on it? It's a very brave step."

While The Ba**ds of Bollywood continues to make headlines for its biting commentary on the entertainment industry, Raghav's personal experiences during the making of the show have been no less cinematic. One of his most unforgettable memories, he admits, was his first visit to Mannat — the legendary sea-facing bungalow of Shah Rukh Khan.

"The first time I entered Mannat, there was a scanner like the ones at the airport. I had to go through it because people were like, 'Who is this guy? Has someone come to find work?'" Raghav laughed, recalling the surreal experience. "By mistake, I asked Aryan which was his room. Then I realised, this is Shah Rukh Khan's house — you don't have rooms here, you have full floors. Aryan just laughed and said, 'Come, let's go up.' We sat there and jammed, and later went out for dinner with his friends."

Arhaan Khan Reaches Hospital As Sshura Khan And Arbaaz Khan Set To Welcome Their First Baby



Arbaaz Khan and Sshura Khan are all set to welcome their first child together. Yesterday, Sshura was admitted to Hinduja Hospital as she prepared to give birth to their little baby. Arbaaz's son, Arhaan Khan, had also reached the hospital to support the family. In a video that has surfaced on social media, Arhaan is seen reaching Hinduja Hospital to meet Sshura and Arbaaz. Last night, after Sshura was admitted to the hospital, Arbaaz arrived to support her. Later, multiple videos surfaced of him going to and fro as he awaited the birth of his baby.

In the clip, Arhaan is seen wearing a comfy black T-shirt paired with loose beige pants. He ignored posing for the paparazzi and, after exiting his car, directly made his way inside the hospital. Arhaan is Arbaaz's son from his first marriage with actress Malaika Arora. Malaika and Arbaaz were married for two decades and welcomed their child in 2002. Arbaaz and Malaika later got divorced in 2017.

About Sshura Khan's pregnancy

Arbaaz Khan's wife, Sshura Khan, is pregnant with their first child. The couple, who got married in 2023, initially kept the news under wraps despite rumours being rife about them embracing parenthood. The 57-year-old actor-producer recently confirmed the news of their pregnancy while speaking with The Delhi Times.

He said, "Yes, it is there. I'm not denying that information because right now it's something that is out there, my family knows about it. People have got to know about it, and it's fine. It's pretty evident also." Expressing his joy at embracing fatherhood for the second time, Arbaaz added, "It's a very exciting time in both our lives. We are happy and excited. We're going to welcome this new life into our life."

About Arbaaz Khan And Sshura Khan's Love Story

For the unversed, Arbaaz met Sshura on the sets of Raveena Tandon's film Patna Shukla, where Arbaaz served as the producer and Sshura was the makeup artist for the lead actress. After courting for a while, the couple exchanged vows in an intimate nikah ceremony held at Arbaaz's sister, Arpita Khan Sharma's residence on December 24, 2023.

Anita Hassanandani

Reveals Son Aarav's Priceless Reaction To Her Chhoriyan Chali Gaon Win

Television actress Anita Hassanandani has opened up about her son Aarav's heart-melting reaction to her recent win on "Chhoriyan Chali Gaon." In an inclusive interview with IANS, the actress shared that Aarav proudly holds her trophy and shows it off to everyone, calling her "so cool" after watching her performance. When asked how Aarav reacted to her win, Anita revealed that her son was overjoyed, constantly holding her trophy and showing it off to everyone. The 'Yeh Hai Mohabbatein' actress shared, "Both of them are very proud of me. Aarav especially keeps holding the trophy and showing it to everyone. For me, as a mother, that's the most special moment. When I signed this show, my only wish was for Aarav to be proud of me. When he saw me perform, he was like, 'Wow, Mama, you were so cool!' That's exactly what I wanted to achieve, and I did."

Speaking about her journey on the reality show, Hassanandani shared, "I think it was a very beautiful journey with all the ups and downs. The growth I was hoping to gain, I achieved all that. It will also help me a lot in the upbringing of Aarav. I learned so much that will be useful in the future. It was very challenging, especially the physical tasks

that I did and won." "But when you win a trophy after working hard, it gives a different kind of happiness. I gave my hundred percent in every task, and I'm proud that I won. Overall, it was a beautiful and memorable



experience. "Talking about what 'Chhoriyan Chali Gaon' means for her career, Anita shared that the show holds a special place in her heart — not just professionally, but personally too.

"I think I achieved a lot through this show. I grew, I learned, and it has become a milestone in my life. I'm very proud that I was part of Choriya Chali Gaon. It was the best experience of my life, and I would encourage everyone to experience something like this at least once," shared Anita Hassanandani.

